संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 139
पृष्ठ 8
गुरूवार
06 फरवरी 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- व....

विचार- दांव पर केज...

खेल- अभिषे....

महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाकर पीएम मोदी ने दिया एकता का संदेश, बोले-

त्रिवेणी में स्नान कर शांति और संतोष मिला

महाकुम्भ नगर, संवाददाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को प्रयागराज महाकुम्भ में मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती की त्रिवेणी के पावन संगम में पुण्य की डुबकी लगाकर पूरी दुनिया को एकता का संदेश दिया। वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने पूरी आस्था और श्रद्धा के साथ त्रिवेणी संगम में स्नान किया। पावन डुबकी लगाने से पहले प्रधानमंत्री ने भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। इस दौरान वह रुद्राक्ष की माला का जप करते भी नजर आए। मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती की अराधना करते हुए उन्होंने पावन डुबकी लगाई। डुबकी लगाने के बाद उन्होंने गंगा पूजन और आरती भी की। इससे पूर्व प्रधानमंत्री के प्रयागराज आगमन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया। त्रिवेणी संगम पर डुबकी लगाने से पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विधिवत पूजा अर्चना की। संगम में उतरने से पहले पीएम ने सबसे पहले आस्था के

साथ जल को स्पर्श कर आशीर्वाद लिया और फिर सूर्य को अर्घ्य दिया और तर्पण भी किया। संगम स्नान के बाद उन्होंने पूरे विधि विधान से पूजन अर्चन भी किया। काले कुर्ते और भगवा पटके व हिमांचली टोपी पहने प्रधानमंत्री मोदी ने वैदिक मंत्रों और श्लोकों के बीच संगम त्रिवेणी में अक्षत, नैवेद्य, पुष्प, फल और लाल चुनरी अर्पित की। इसके बाद उन्होंने संगम स्थल पर तीनों पावन नदियों की आरती भी उतारी। वहा मौजूद तीर्थ पुरोहित ने उनका टीका लगाकर अभिनंदन किया। पूजन अर्चन के बाद पीएम मोदी, मुख्यमंत्री के साथ उसी बोट पर बैठकर वापस हैलीपैड की ओर रवाना हो गए। महाकुम्भ में जहां दुनिया भर के श्रद्धालुओं का समागम हो रहा है, वहां प्रधानमंत्री ने पावन डुबकी के माध्यम से पूरी दुनिया को एक भारत श्रेष्ठ भारत और वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश दिया। बुधवार को पीएम मोदी का संगम स्नान बहुत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण रहा। इस दौरान विशिष्ट योग का भी संयोग रहा। दरअसल, बुधवार का दिन विशेष था, क्योंकि हिंदू पंचांग के अनुसार इस समय गुप्त नवरात्रि चल रही है और बुधवार को भीष्माष्टमी भी थी। गुप्त नवरात्रि पर जहां देवी पूजन किया जाता है तो वहीं, भीष्माष्टमी पर श्रद्धालु अपने पुरखों का तर्पण और श्राद्ध भी करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुबह प्रयागराज एयरपोर्ट पहुंचे, जहां से वह एमआई 17 हेलिकॉप्टर में बैठकर डीपीएस हेलिपैड पहुंचे। यहां पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत और अभिनंदन किया। यहां से प्रधानमंत्री अरैल घाट पहुंचे, जहां से विशेष बोट पर सवार होकर उन्होंने त्रिवेणी संगम का रुख किया। बोट पर उनके साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। इस दौरान प्रधानमंत्री महाकुम्भ में की गई व्यवस्थाओं और श्रद्धालुओं को दी जा रही सुविधाओं के विषय में सीएम योगी से जानकारी लेते हुए भी दिखाई दिए। बोट से भ्रमण के दौरान पीएम ने त्रिवेणी संगम में मौजूद श्रद्धालुओं का भी अभिवादन स्वीकार किया। श्री मोदी जब त्रिवेणी संगम पहुंचे तब आम श्रद्धालु भी संगम स्नान कर रहे थे। उनके आगमन के बावजूद लोगों को स्नान करने से रोका नहीं गया था। वीवीआईपी मूवमेंट के बाद भी कहीं कोई गतिरोध उत्पन्न नहीं हुआ और एक तरह से पीएम मोदी और अन्य श्रद्धालुओं ने एक साथ ही त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगाई। इससे श्रद्धालु भी प्रसन्न नजर आए और संगम तट पर लाखों लोगों की मौजूदगी में हर हर गंगे और मोदी–मोदी के जयकारे गुंजायमान होते रहे। उल्लेखनीय है कि 13 जनवरी से प्रारंभ हुए महाकुम्भ में अब तक वीवीआईपी मूवमेंट के बावजूद श्रद्धालुओं को संगम स्नान में कहीं कोई दिक्कत नहीं आ रही है। इसी का नतीजा है कि मात्र 24 दिनों में अब तक 39 करोड़ श्रद्धालु संगम में पावन डुबकी लगा चुके हैं। इससे पूर्व श्री मोदी ने महाकुम्भ की शुरुआत से एक माह पूर्व 13 दिसंबर को प्रयागराज का दौरा किया था और 5500 करोड़ रुपए की 167 परियोजनाओं की सौगात दी थी।

घुसपैठ पर अंकुश लगा कर आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें : शाह

नयी दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू–कश्मीर में सभी सुरक्षा एजेंसियों को घुसपैठ पर पूरी तरह अंकुश लगाने का लक्ष्य रखकर आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को आगे बढ़ाने का बुधवार को निर्देश दिया। श्री शाह ने आज यहां जम्मू और कश्मीर की सुरक्षा स्थिति पर एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने कल भी जम्मू–कश्मीर की सुरक्षा स्थिति पर एक महत्तवपूर्ण समीक्षा बैठक की थी जिसमें थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, और केन्द्रीय गृह सचिव सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया था। बैठक को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार, जम्मू और कश्मीर से आतंकवाद को पूरी तरह समाप्त करने के प्रति कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के निरंतर और समन्वित प्रयासों के कारण जम्मू और कश्मीर में आतंकवाद का

इकोसिस्टम काफी कमजोर हो गया है। गृह मंत्री ने सभी सुरक्षा एजेंसियों को जीरो इंफिल्ट्रेशन का लक्ष्य रखकर आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को आगे बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी सुरक्षा एजेंसियां घुसपैठ और आतंकवाद पर बेहद सख्ती के साथ और कठोर कार्रवाई करें। उन्होंने कहा," आतंकवादियों के अस्तित्व को जड़ से खत्म करना हमारा लक्ष्य होना चाहिए।" श्री शाह ने कहा कि नार्को नेटवर्क से घुसपैठ और आतंकियों को अपनी गतिविधियां चलाने में समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि नार्कोटिक्स के व्यापार से प्राप्त पैसे से हो रही टेरर फंडिंग के खिलाफ तत्परता से कार्रवाई करने की ज़रूरत है। श्री शाह ने एजेंसियों से नए आपराधिक कानूनों के मद्देनज़र फ़ोरेंसिक साइंस लैबोरेटरी के पदों में नई नियुक्तियां करने का निर्देश दिया। उन्होंने आतंकवाद–मुक्त जम्मू और कश्मीर के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आतंकवाद के खिलाफ ज़ीरो टॉलरेंस की मोदी सरकार की नीति पर बल दिया। उन्होंने सभी सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क रहने और जम्मू–कश्मीर में आतंकवाद को खत्म करने के लिए तालमेल के साथ काम करना जारी रखने का निर्देश दिया।

अमेरिका में भारतीय नागरिकों को प्रताड़ित करने का विरोध करे सरकार : कांग्रेस

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि अमेरिका में भारतीय नागरिकों को हथकड़ी पहनाकर प्रताड़ित और निर्वासित करने की घटना अत्यंत दुखद है और भारत सरकार को इस घटना पर कड़ा ऐतराज व्यक्त करना चाहिए। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने बुधवार को यहां जारी एक बयान में कहा कि पहले भी भारतीय नागरिकों को प्रताड़ित करने की

घटना हुई थी, जिसका कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार ने कड़ा जवाब अमेरिका को दिया था और उसके राजदूतों को मिलने वाली सुविधाएं तक बंद कर दी थी। इस बार भी भारत सरकार को उसी तरह का सख्त रूख अपना कर अमेरिका को जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा, "अमेरिका से भारतीयों को हथकड़ी लगाकर और अपमानित करके निर्वासित किए जाने की तस्वीरें देखकर, एक भारतीय होने के नाते मुझे दुख होता है। मुझे दिसंबर 2013 की वह घटना याद है जब भारतीय राजनयिक देवयानी खोबरागड़े को अमेरिका में हथकड़ी लगाई गई थी और स्ट्रिप सर्च किया गया था। विदेश सचिव सुजाता सिंह ने अमेरिका की राजदूत नैन्सी पॉवेल के सामने कड़ा विरोध दर्ज कराया था।" श्री खेड़ा ने कहा, "संप्रग सरकार ने तीखी प्रतिक्रिया दी थी।

पटना पहुंचे राहुल गांधी, फिर उठाई जातीय जनगणना की मांग

पीएम मोदी और आरएसएस पर लगाए बड़े आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पटना में आरोप लगाया कि भारत के वर्तमान सत्ता तंत्र और संस्थाओं में दलितों तथा वंचितों की कोई भागीदारी नहीं है। उन्होंने कहा कि दलितों, अल्पसंख्यकों, समाज के कमजोर वर्गों की सटीक संख्या पता लगाने के लिए पूरे भारत में जाति आधारित जनगणना की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि आज भारत की सत्ता संरचना में, चाहे वह शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो, कॉर्पोरेट हो, व्यापार हो, न्यायपालिका हो, आपकी भागीदारी कितनी है? राहुल ने कहा कि दलितों को प्रतिनिधित्व तो दिया गया है लेकिन अगर सत्ता संरचना में भागीदारी नहीं है तो इसका कोई मतलब नहीं है। अगर मंच के पीछे से निर्णय लिए जाएं तो मंच पर बैठाने का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि आज अलग–अलग जाति के लोगों को टिकट देना एक फैशन बन गया है, ये बात पीएम मोदी भी कहते हैं। लेकिन फिर, आपने (पीएम मोदी) विधायकों की शक्तियां छीन लीं। यहां तक कि लोकसभा सांसदों के पास भी कोई निर्णय लेने की शक्ति नहीं है। आपने मंत्री बनाया लेकिन ओएसडी आरएसएस से है। सवाल नियंत्रण और भागीदारी का है। कांग्रेस नेता ने कहा कि हम अंबेडकर जी और जगलाल चौधरी जी के विचार और उसूलों की बात करते हैं। लेकिन सवाल है कि अंबेडकर जी और जगलाल चौधरी जी के जो विचार थे, वे कहां से आते थे? सच्चाई ये है कि.. दलितों के दिल में जो दुख और दर्द था, अंबेडकर जी और जगलाल चौधरी जी ने उस आवाज को उठाया था। उन्होंने कहा कि आज भारत के पॉवर स्ट्रक्चर– शिक्षा, स्वास्थ्य, कार्पोरेट या ज्यूडिशरी में दलित वर्ग की कितनी भागीदारी है? भाजपा रिप्रेजेंटेशन की बात करती है, लेकिन भागीदारी के बिना रिप्रेजेंटेशन का कोई मतलब नहीं है।

बुर्के की आड़ में फर्जी वोटिंग! सीलमपुर में जमकर हुआ बवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में चुनाव के दिन सीलमपुर में एक मतदान केंद्र पर झड़प हो गई, जब भारतीय जनता पार्टी ने आरोप लगाया कि कुछ बुर्का पहने महिलाओं ने मौजूदा

विधानसभा चुनावों में फर्जी वोट डाले। वहीं, कुछ महिला मतदाताओं ने दावा किया कि उनकी जगह कोई और पहले ही वोट डाल चुका है, जिससे भारी हंगामा हुआ। इसके बाद दिल्ली पुलिस के जवानों ने यह सुनिश्चित करने के लिए गहन जांच शुरू कर दी कि फर्जी मतदान न हो। भाजपा ने आप पर फर्जी वोटिंग कराने का आरोप लगाया है। बीजेपी ने आरोप लगाया कि सीलमपुर सीट पर श्फर्जीश् वोटिंग कराने के लिए आप ने बाहर से महिलाओं को बुलाया। आरोप लगने के बाद पार्टियों के कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी शुरू कर दी और झड़प हो गई।

मोहन यादव ने 7 हजार से ज्यादा स्टूडेंट्स को दिया स्कूटी का तोहफा, बोले- खूब पढ़ें और विकसित मध्यप्रदेश गढ़ें

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने फूलों की वर्षा की और मुफ्त ई–स्कूटी प्राप्त करने वाले मेधावी छात्रों से बातचीत की। सीएम ने शैक्षणिक सत्र 2023–24 में उच्च माध्यमिक विद्यालयों के स्कूल स्तर पर मेरिट सूची में शामिल सरकारी स्कूलों के 7,900 मेधावी विद्यार्थियों को मुफ्त ई–स्कूटी वितरित की। मोहन यादव ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे छात्रों के साथ समय बिताने का मौका मिला। हमने मेधावी छात्रों को मुफ्त ई–स्कूटी देने

का फैसला किया था। यह संदेश देता है कि सरकार हमेशा युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए काम करती है। वहीं, एक्स पर मोहन यादव ने लिखा कि सुनहरे भविष्य की राह सुगम हो, संसाधनों का अभाव बाधा न बने। उन्होंने कहा कि आज भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में राज्य स्तरीय कार्यक्रम अंतर्गत मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मण्डल के शैक्षणिक सत्र 2023–24 में कक्षा 12वीं के प्रत्येक संकाय से लगभग 7900 टॉपर स्टूडेंट्स को श्स्कूटी वितरण कार्यक्रमश का दीप–प्रज्ज्वलन कर शुभारंभ किया एवं 10 विद्यार्थियों को प्रतीकात्मक रूप से स्कूटी की चाबी देकर बधाई दी। यादव ने कहा कि हर बच्चा शिक्षित हो; शिक्षा में समय, दूरियां एवं आवागमन के साधन का अभाव बाधा न बने और स्वर्णिम भविष्य की राह सुगम हो; इस संकल्प पूर्ति के लिए हम निरंतर कार्यरत हैं। प्यारे विद्यार्थियों! आप खूब पढ़ें और विकसित मध्यप्रदेश गढ़ें; आप सभी को बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं।

वोट डालने के बाद बोलीं आतिशी, ये चुनाव सिर्फ चुनाव नहीं, धर्मयुद्ध है

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा चुनाव में अपना वोट डालने से पहले, मुख्यमंत्री और कालकाजी विधानसभा सीट से आप उम्मीदवार आतिशी ने बुधवार को चुनाव को सच्चाई बनाम झूठ की

लड़ाई करार दिया और पार्टी की जीत की उम्मीद करते हुए कहा कि दिल्ली के लोग सच्चाई के साथ खड़े होंगे और गुंडागर्दी को हराएंगे। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने भी अपने चुनावी मताधिकार का प्रयोग करने से पहले कालकाजी मंदिर में पूजा–अर्चना की। पत्रकारों से बात करते हुए आतिशी ने कहा कि सच्चाई बनाम झूठ की इस लड़ाई में मुझे उम्मीद है कि दिल्ली की जनता सच के साथ खड़ी होगी, काम करेगी और गुंडागर्दी को हरायेगी। उन्होंने आगे दिल्ली पुलिस पर भाजपा के लिए काम करने का आरोप लगाया। आतिशी ने अपना विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें विश्वास है कि लोग काम करने वालों को वोट देंगे न कि गुंडों को। आतिशी ने कहा कि दिल्ली का ये चुनाव सिर्फ चुनाव नहीं है, ये धर्मयुद्ध है। यह अच्छे और बुरे के बीच की लड़ाई है।

महाकुम्भ में देखिए देशभर के दुर्लभ वाद्ययंत्र

महाकुम्भ नगर। उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग के लोक एवं जनजातीय संस्कृति संस्थान की ओर से सेक्टर सात स्थित पैवेलियन में देशभर के दुर्लभ संगीत वाद्यों की प्रदर्शनी लगाई गई है। हिमालय वर्ल्ड म्यूजियम सिक्किम, डूअर्स फोक आर्ट म्यूजियम लातागुरी–पश्चिम बंगाल, वैदेही कला संग्रहालय सहरसा तथा संजू सेन छत्तीसगढ़ के संग्रह से मंगाए गए 251 वाद्य यंत्रों में 50 से अधिक विलुप्तप्राय हैं। 16 जनवरी से 26 फरवरी तक आयोजित प्रदर्शनी में लुप्तप्राय वाद्ययंत्रों रशन चौकी, पूरनी बाजा, तुबकी, ढोल पिपहि, नारदी मृदंग और संथाली मानर को देखा जा सकता है।

प्रदर्शनी के क्युरेटर एवं डिजाइनर प्रो. ओम प्रकाश भारती के अनुसार भारत में लगभग तीन हजार से अधिक वाद्य यंत्रों का प्रचलन रहा है। इनमें लगभग छह सौ वाद्ययंत्र आज लुप्त होने की स्थिति में हैं। भारत में आज एक तार (इकतारा, पेना, बेना) से सौ तार (रबाब) तक के साक्ष्य मिलते हैं। सही अर्थों में एक तार से सौ तार की यात्रा भारतीय समाज के बौद्धिक एवं सांस्कृतिक प्रगति को दर्शाता है। अकेले वर्णरत्नाकर में 24 प्रकार की वीणा का उल्लेख मिलता है।

संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश मेशराम तथा लोक एवं जनजातीय संस्कृति विभाग के निदेशक डॉ. अतुल द्विवेदी की परिकल्पना से लगी प्रदर्शनी की साज–सज्जा, स्मारिका आदि का निर्माण डॉ. भाग्यश्री राउत, शिवकांत वर्मा, राहुल यादव, दीपक कुमार, विनोद बेसरा आदि शोधार्थी एवं कलाकारों ने किया है।

इड्क्का या एडक्का कपास और लकड़ी से बना एक अवनद्ध ताल वाद्ययंत्र है। केरल के मंदिरों में होने वाले अनुष्ठानों में वाद्ययंत्र के सामूहिक प्रदर्शन में मुख्य रूप से उपयोग किया जाता है। कथकली और मोहिनीअट्टम शास्त्रीय नृत्यों के साथ संगत के लिए भी उपयोग किया जाता है। रेतघड़ी के आकार का दो सिरों वाला ढोल जो बाएं कंधे से लटकाया जाता

है। दाहिने सिरे को एक छड़ी से बजाया जाता है, जबकि बाएं हाथ का उपयोग ढोल की कमर के चारों ओर कपास की रस्सी को खींचकर और छोडकर चर्मपत्र में तनाव को कम–ज्यादा करने के लिए किया जाता है।

यह धातु निर्मित नलीनुमा वाद्य–यंत्र हैं, जिसका ऊपरी सिरा पतला तथा निचला सिरा खुला और चौड़ा होता है। यह शहनाई की तरह होता है। इसे लद्दाख में ज्यादातर खुबानी की लकड़ी से बनाया जाता है। बांसुरी की भांति इस पर छह छेद बनाए जाते हैं ताकि इन छेदों पर दोनों हाथों की तीन–तीन अंगुलियां रखकर विभिन्न प्रकार के सुर निकाले जा सकें। इसकी आवाज मधुर होती है। प्रत्येक तान्त्रिक–पूजा में इस वाद्य का प्रयोग होता है। इसे मुंह से फूंककर बजाया जाता है।

गोपी जंत्रः यह एक बहुत ही सरल लोक वाद्य यंत्र है जिसे मुख्य रूप से बंगाल में बाउल गायक बजाते हैं। एकल तार को एक उंगली या एक पलेक्ट्रम से खुले तौर पर बजाया जाता है। कांटेदार बांस की गर्दन के दोनों हिस्सों को एक साथ दबाकर स्वर को काफी कम किया जा सकता है, जिससे तार का तनाव कम हो जाता है। लोक विश्वास के अनुसार इसका सम्बन्ध राजा गोपीचंद से माना जाता है। उड़ीसा, पश्चिम बंगाल से लेकर नेपाल तक के जोगी–फकीर भजनों के साथ इसका वादन कर भिक्षाटन करते देखे जाते हैं।

इसराज एक भारतीय तार वाला वाद्य है। यह एक अपेक्षाकृत रूप से नया वाद्य यंत्र है, जो केवल तीन सौ साल पुराना है। यह उत्तर भारत, मुख्य रूप से पंजाब में पाया जाता है, जहां इसका उपयोग सिख संगीत और हिंदुस्तानी शास्त्रीय रचनाओं और पश्चिम बंगाल में किया जाता है। इसराज दिलरुबा का एक आधुनिक संस्करण है। यह लकड़ी से बना पूरा ढांचा, अनुनादक बकरी की खाल से ढका होता है। चार मुख्य तार, पंद्रह सहायक तार और उन्नीस सारिकाएं होती हैं। घोड़े के बाल के गज से बजाया जाता है। रबींद्र संगीत का एक लोकप्रिय संगत वाद्य यंत्र भी है।

धनकुलः धनकुल धनुष, सूप और मटके से बना छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र का तंतु वाद्य यंत्र है। प्रायरू छत्तीसगढ़ के सभी आदिवासियों के बीच आनुष्ठानिक परम्पराओं में यह वाद्य यंत्र प्रयुक्त होता है। आदिवासी महिलाएं कुल की समृद्धि एवं धन धान्य में बढ़ोत्तरी के लिए जागर गीतों के साथ देवगुड़ी माता की अराधना के समय इसे अवश्य रूप से बजाती हैं।

आशीर्वाद की होम डिलीवरी करते हैं हमः रवि शंकर

महाकुम्भ नगर। द आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के महाकुम्भसेक्टर आठ स्थित शिविर में दो सत्रों में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। सुबह के पहले सत्र में यूथ व टीचर्स मीट में फाउंडेशन के संस्थापक व अध्यात्मिक गुरु श्री श्री रवि शंकर अपने साधकों से जुड़े। एक शिष्य ने उनसे प्रश्न किया कि गुरु जी हर मोबाइल आशीर्वाद की कितनी वैलिडिटी है। क्योंकि कुछ लोग सुबह फिर शाम को लाइन में खड़े दिखाई देते हैं। इस पर श्री श्री ने जवाब दिया, अरे! भाई हम आशीर्वाद की होम डिलीवरी करते हैं और इसकी कोई वैलिडिटी नहीं होती। आशीर्वाद

जीवन भर मिलता रहेगा। कुछ लोगों को लाइन में खड़ा रहना अच्छा लगता है तो कोई बात नहीं। रात में दूसरे सत्र के दौरान मेडिटेट विद गुरुदेव फ्रॉम महाकुम्भ के जरिए अध्यात्मिक गुरु ने दुनिया भर के. लाखों लोगों को लाइव निर्देशित ध्यान कराया। इसे उनके यूट्यूब चौनल पर प्रसारित किया गया, जिसमें 180 देशों से साधक जुड़े। उन्होंने ध्यान व साधना के माध्यम से मानवता को एकता, शांति व करुणा का संदेश दिया। कहा कि कुम्भपर्व का सार है अपने भीतर की पूर्णता को जानना और वह केवल तभी हो श्सकता है जब ज्ञान, भक्ति व कर्म एक साथ हों। यहां जो गंगा बह रही है, वह ज्ञान का प्रतीक है, यमुना भक्ति का और सरस्वती जो के अदृश्यं हैं, वह कर्म का क प्रतीक हैं। उन्होंने बताया क कि महाकुम्भ एक ऐसा क समय है जब हम क्षणभंगुर स से शाश्वत की ओर, व्यक्तिगत चेतना से ब्रह्म चेतना की ओर बढ़ते हैं। यह अपने सत्य को केवल बौद्धिक रूप से नहीं बल्कि अनुभव के स्तर पर जानने का समय है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ इस अंदाज में किया मां गंगा को प्रणाम

महाकुंभ नगर (प्रयागराज)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को संगम में गंगा, यमुना और अदृश्य संगम की त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाई। उन्होंने विधि–विधान से मां गंगा की पूजा की। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पीएम ने षोडशोपचार विधि से भागीरथी की पूजन कर दुग्ध और पुष्प समेत नैवैद्य अर्पित किया। उनके साथ सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद रहे। केसरिया वस्त्र और ऊपर से रुद्राक्ष की माला धारण करके पीएम ने स्नान किया। कहा जा रहा था कि पीएम मोदी को तकरीबन एक घंटा

संगम क्षेत्र में रुकना था। श्री बड़े हनुमान मंदिर और अक्षयवट और सरस्वती कूप का दर्शन भी प्रस्तावित था, लेकिन पीएम संगम में स्नान और मां गंगा की पूजा के बाद संगम तट से वापस लौट गए। यह भी कहा जा रहा था की पीएम मोदी महाकुंभ में आए सभी अखाड़ों के प्रमुख संतों से मुलाकात करेंगे। साथ ही महाकुंभ में आए श्रद्धालुओं को संगम की रेती से एकता और संदेश देंगे, लेकिन मोदी आधे घंटे में ही लौट गए।

हालांकि पीएम मोदी ने श्रद्धालुओं का अभिवादन किया। इससे पहले उन्होंने संगम में आस्था की डुबकी लगाई। इसके बाद भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया। प्रधानमंत्री के साथ स्पेशल बोट से भ्रमण किया। उनके साथ सीएम योगी भी मौजूद रहे।

स्पेशल बोट से भ्रमण के दौरान सीएम योगी ने पीएम को महाकुंभ के बारे में जानकारियां दीं। वह लोगों का अभिवादन करते समय कुछ देर के लिए मुस्कराते दिखे। जहां पीएम स्नान कर रहे थे उसके कुछ ही दूर पर स्थित संगम नोज पर मौनी अमावस्या को हादसा हुआ था। पीएम मोदी ने अपने आधिकारिक एक्स (ट्विटर) अकाउंट पर महाकुंभ दौरे की कई तस्वीरें साझा करत हुए लिखा प्रयागराज महाकुंभ में आज पवित्र संगम में स्नान के बाद पूजा, अर्चना का परम सौभाग्य मिला। मां गंगा का आशीर्वाद पाकर मन को असीम शांति और संतोष मिला है। उनसे समस्त देशवासियों की सुख, समृद्धि, आरोग्य और कल्याण की कामना की। हर हर गंगे। उन्होंगे आगे लिखा प्रयागराज के दिव्य भव्य महाकुंभ में आस्था, भक्ति और आध्यात्म का संगम हर किसी को अभीभूत कर रहा है। पावन पुण्य स्नान की कुछ तस्वीरें।

साइना नेहवाल पहुंचीं महाकुंभ : टेनिस स्टार बोलीं– हम सब मिलकर अपने कल्चर को पूरे विश्व को दिखा सकते हैं

प्रयागराज। परमार्थ निकेतन शिविर में कल्चर महाकुंभ आयोजित किया गया। जिसे संबोधित करते हुए सायना नेहवाल ने कहा कि देश के लिए हम कुछ भी कर सकते हैं और हम सभी को देश के लिए मेहनत करना है। हमारे देश में बहुत टैलेंट है। बस हमें थोड़ी मेहनत और करनी है।

परमार्थ निकेतन शिविर में कल्चर महाकुंभ आयोजित किया गया। जिसे संबोधित करते हुए सायना नेहवाल ने कहा कि देश के लिए हम कुछ भी कर सकते हैं और हम सभी को देश के लिए मेहनत करना है। हमारे देश में बहुत टैलेंट है। बस हमें थोड़ी मेहनत और करनी है। हमारी मेहनत ही हमारा मेडिटेशन है। आप स्वयं अपने दोस्त बने। स्वयं का परीक्षण करें। हम सब मिलकर अपने कल्चर के बारे में पूरे विश्व को दिखा सकते हैं।

चिदानंद सरस्वती ने कहा कि हम संगम के पावन तट पर नये संगम का दर्शन कर रहे हैं। यह प्रयाग की धरती से एक प्रयोग है। हमारा हर प्रयोग प्रयाग बने, प्रयाग, संगम की धरती है, ऋषियों की धरती है। हमारे देश में समता, समरसता व सद्भाव का संगम बना रहे, यही प्रयाग

का प्रयोग है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि हम भारत को भारत की दृष्टि और भारत के एंगल से देखें। डॉ. साध्वी भगवती सरस्वती ने कहा कि वर्तमान समय में सनातन संस्कृति की पूरे विश्व को आवश्यकता है, क्योंकि इसमें पूरे विश्व की सभी समस्याओं का समाधान समाहित है।

भारत की जो शिक्षा है, संस्कृति है उसमें सारी समस्याओं का समाधान समाहित है। केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीपद नाइक ने कहा कि स्वामी का सान्निध्य जीवन में याद रखने लायक है। संगम में स्नान करने के बाद राष्ट्रवाद व राष्ट्र भक्ति के संगम में स्नान करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। इस अवसर पर उन्होंने आयुष व योग पर चर्चा करते हुए कहा कि आज योग पूरे विश्व में चमक रहा है। सनातन धर्म ने एक जाति व राष्ट्र का विचार नहीं किया बल्कि पूरे विश्व को गले लगाया। एडवोकेट साई दीपक ने कहा कि भारत के पास शक्ति है कि इस ग्लोब पर जो बर्बाद हो रहा है (प्राकृतिक संसाधन) उस पर बात करें क्योंकि उसका समाधान हमारी सनातन संस्कृति में समाहित है। उन्होंने संस्कृति, राष्ट्र व राज्य की व्याख्या करते हुए कहा कि संस्कृति के बिना राज्य की कल्पना नहीं की जा सकती। शांतनु गुप्ता ने कहा कि अब जो भी कुंभ होगा और जहां पर भी होगा, उसमें हम पूज्य स्वामी के आशीर्वाद से कल्चर कुंभ का जरूर आयोजन करेंगे।

शेफाली वैद्य ने कहा कि कुंभ में पहले भी शास्त्रार्थ होता था, यह उसी का एक स्वरूप है। आप यहां से उत्तम विचारों को लेकर जाएं। इस मौके पर प्रमुख सचिव अमृत अभिजात, देवी प्रसाद दुबे, अलका टंडन, कृष्ण गुप्ता , शेफाली वैद्य, पुष्कर, नित्यानंद मिश्र, मारिया वेर्थ, कंचन गुप्ता, अशोक श्रीवास्तव, प्रखर श्रीवास्तव, दीपक, शांतनु गुप्ता, प्रो. अभय के सिंह, आदिनारायणन, साध्वी दिव्या प्रभा आदि वक्ता और विभूतियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

संगम में 47.30 लाख ने लगाई पुण्य की डुबकी

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ में स्नान का उत्साह बना हुआ है। बुधवार सुबह दस बजे तक 47.30 लाख श्रद्धालु पुण्य की डुबकी लगा चुके थे। इनमें दस लाख से अधिक कल्पवासी भी शामिल हैं। मेला प्रशासन की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार मंगलवार तक 38.29 करोड़ लोग स्नान कर चुके थे। इसमें बुधवार के आंकड़े जोड़ दिए जाएं तो सुबह दस बजे तक 38.76 करोड़ लोग संगम में डुबकी लगा चुके हैं। बुधवार सुबह आठ बजे तक 37.48 लाख आस्थावानों ने स्नान किया था।

महाकुम्भ मेला में महिला से चेन छिनैती व दो के मोबाइल चोरी

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ क्षेत्र से एक महिला से चेन छिनैती और दो के मोबाइल चोरी हो गया। पीड़ितों ने महाकुम्भ नगर कोतवाली थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस शातिर बदमाश व चोरों की तलाश में जुटी है। अमरोहा के गजरोहा निवासी रीनू कौशिक पत्नी राजपाल शर्मा ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह 27 जनवरी को अपने ससुर व अन्य के साथ संगम स्नान करने के लिए आई थी। संगम घाट पर उनके ससुर के पैंट की जेब से डेढ़ हजार रुपये निकाल लिए गए। पीड़िता के गले से पीछे से सोने की चेन छीन ली गई। पीड़ितों ने अज्ञात बदमाश की तलाश की, लेकिन वह फरार हो चुका था। पीड़िता ने मेला के एक थाने पर जाकर जानकारी दी, तो ऑनलाइन जीडी दर्ज नहीं होने का बात कहते हुए दारागंज थाने को कहा गया। पीड़िता ने दारागंज जाने की कोशिश की, तो वीवीआईपी आगमन के चलते काफी मार्ग अवरूद्ध था। घर जाकर ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से एफआईआर दर्ज कराई। वहीं फूलपुर गंगानगर निवासी संदीप सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि दो जनवरी को वह परेड ग्राउंड के पास से जा रहे थे। तभी अधिक भीड़ के चलते किसी ने उनकी जॉकेट से मोबाइल गायब कर दिया। वहीं छत्तीसगढ़ निवासी चंद्र हंस ठाकुर ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह संगम स्नान करने के लिए आए थे, तभी किसी ने उनका मोबाइल चोरी कर लिया। कुम्भनगर पुलिस मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश में जुट गई है।

महाकुंभ क्षेत्र से उतरने लगी अखाड़ों की धर्मध्वजा, अब संत अपने–अपने स्थानों को रवाना

प्रयागराज। वसंत पंचमी का तीसरा अमृत स्नान होने के साथ ही महाकुम्भ क्षेत्र से अखाड़ों की धर्मध्वजा उतरने लगी है। इसी के साथ अखाड़ों के संत अपने अपने स्थानों को रवाना होने लगे।

वसंत पंचमी का तीसरा अमृत स्नान होने के साथ ही महाकुम्भ क्षेत्र से अखाड़ों की धर्मध्वजा उतरने लगी है। मंगलवार को निर्मल और नया उदासीन अखाड़े की धर्मध्वजा उतारी गई। मेला क्षेत्र में स्थापित गुरु ग्रंथ साहिब को कल्याणी देवी स्थित पक्की संगत ले जाया गया। इसी के साथ अखाड़ों के संत अपने अपने स्थानों को रवाना होने लगे। काफी संत कनखल हरिद्वार स्थित मुख्यालय की ओर कूच कर गए तो कई लोग दिल्ली, पंजाब आदि की तरफ रवाना हुए।

नया उदासीन अखाड़े की धर्मध्वजा भी उतारी गई। वहीं बड़ा उदासीन अखाड़े की धर्मध्वजा सात फरवरी को उतरेगी और आठ को संत यहां से कीडगंज मुख्यालय जाएंगे। कुछ दिनों तक रमता पंच कीडगंज में ही विश्राम करेगा और उसके बाद आगे की यात्रा पर निकलेंगे।

अखाड़ों के अमृत स्नान के लिए संगम पर की गई बैरिकेडिंग भी अब उखाड़ी जा रही है। यह बैरिकेडिंग अखाड़ों के स्नान के वक्त आम श्रद्धालुओं को वहां तक जाने से रोकने के लिए लगाई गई थी।

अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्र पुरी ने मौनी अमावस्या के दिन हुई घटना के बाद श्रद्धालुओं की मुस्लिम समाज की ओर से की गई सेवा की सराहना की है। कहा कि कोरोना काल में भी देश में इसी तरह भाई चारे का संदेश दिया गया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि परिषद ने उन कट्टर मुस्लिमों का विरोध किया था जो अपने कृत्यों से सनाधन धर्म को बदनाम करना चाहते हैं। कहा कि मैं यही चाहूंगा कि प्रयागराज से अच्छा संदेश पाकिस्तान और बांग्लादेश सहित पूरे विश्व में जाए। अध्यक्ष रवींद्र पुरी ने महाकुम्भ हादसे में मारे गए लोगों के शव गंगा में फेंके जाने के बयान की निंदा करते हुए कहा कि जया बच्चन को डिप्रेशन हो रहा है, उन्हें इसका इलाज कराना चाहिए, मैं भगवान से प्रार्थना करूंगा कि भगवान उन्हें सद्बुद्धि दें ताकि वे ऐसे बयान न दें क्योंकि बच्चन परिवार से सभी प्रेम रखते हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या जया बच्चन के पास कोई प्रमाण है, क्या कोई वीडियो देखा है। उन्हें हिन्दू और सनातन विरोधी बातें नहीं बोलनी चाहिए।

485 किमी पैदल चलकर सचिन पहुंचे संगम, हाथरस से महाकुंभ की पूरी की यात्रा

प्रयागराज। महाकुम्भ में देश–विदेश से श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाने पहुंच रहे हैं। हाथरस के टुकसान गांव के सचिन 10 दिन में 485 किलोमीटर पैदल यात्रा कर सोमवार की रात संगम पहुंचे। आस्था की डुबकी लगाने के बाद गंगा मइया का पूजन किया। सेक्टर 20 में लगे संत प्रवीन के शिविर में विश्राम कर सुबह पैदल अयोध्या प्रभु श्रीराम के दर्शन के लिए निकले। सचिन जय श्रीराम लिखे दो झंडे लिए हुए हैं। उन्होंने अपने 18 महीने के दिव्यांग बेटे की खुशहाली के लिए पैदल धार्मिक स्थलों के दर्शन के लिए मन्नत मांगी थी।

वह 24 जनवरी को अपने घर से पैदल महाकुम्भ के लिए निकल थे। सचिन ने बताया कि प्रतिदिन 40 से 45 किलोमीटर पैदल यात्रा करते हैं। रात में किसी ढाबे पर भोजन के बाद आराम करते हैं। सुबह आठ बजे से यात्रा शुरू करते हैं। संगम स्नान के बाद वह गंगा मइया का आशीर्वाद लेकर अयोध्या की यात्रा पर निकल पड़े। बताया कि प्रभु श्रीराम के दर्शन के बाद दो दिन आराम करेंगे। इसके बाद उज्जैन महाकाल दर्शन के लिए पैदल यात्रा शुरू करेंगे। बताया कि बेटा दिवांक कमर और गर्दन से दिव्यांग है। इलाज के लिए कई अस्पतालों में गए। मंदिरों में दर्शन–पूजन किए। मन्नतें मांगी। बेटा कुछ ठीक होने लगा तो पैदल यात्रा करने का संकल्प ले लिया। सचिन ने बताया कि चाहे जितने दिन लग जाएं, संकल्प पूरा करके ही घर लौटूंगा। कहा कि गंगा मइया का आशीर्वाद मिल गया है। अब उनके आशीष से यात्रा पूरी हो जाएगी। वसंत पंचमी स्नान पर्व पर रेलवे के चिकित्सा विभाग ने 1026 श्रद्धालुओं का उपचार किया। अब्जर्वेशन रूम में श्रद्धालुओं को रखा गया। स्थिति सामान्य होने के बाद इलाज के लिए उन्हें रेलवे और शहर के अन्य अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

शोध से दावा! गंगा का बैक्टीरियोफेज दवा प्रतिरोधी रोगों को मारने में सक्षम

प्रयागराज। गंगा में मिलने वाला बैक्टीरियोफेज मनुष्यों में दवा प्रतिरोधी रोगों को मारने में सक्षम हो सकता है। बैक्टीरियोफेज को प्रतिरोधक दवा में उपयोग करना चाहिए। पद्मश्री वैज्ञानिक डॉ. अजय कुमार सोनकर ने ताजा शोध के बाद बैक्टीरियोफेज मनुष्यों के लिए कारगर होने का यह दावा किया। डॉ. सोनकर ने बताया कि महाकुम्भमें 35 करोड़ से अधिक लोग संगम में स्नान कर चुके हैं। इसके बाद भी गंगाजल शुद्ध है।

अन्य नदियों की तरह गंगा में भी कई तरह के हानिकारक बैक्टीरिया हैं। ये बैक्टीरिया नदी और इसमें स्नान करने लोगों को प्रभावित करता है। गंगा में पाया जाने वाला बैक्टीरियोफेज लोगों और पानी के हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट कर देता है। बैक्टीरियोफेज ऐसा बैक्टीरिया है, जो जरूरत के अनुरूप गंगा में बनता है। महाकुम्भ में जब एक–एक दिन में करोड़ों लोग गंगा या संगम में स्नान कर रहे हैं, ऐसे में बैक्टीरियोफेज पूरी तरह से सक्रिय है। करोड़ों लोगों के स्नान के दौरान गंगा में बढ़ने वाले प्रदूषण को बैक्टीरियोफेज खत्म कर रहा है। खास तरह के 11 हजार बैक्टीरियोफेज गंगा में हैं, जबकि यमुना व अन्य नदियों में इसकी प्रजाति 200 तक सीमित है।

महाकुम्भ के दौरान माइक्रो बैक्टीरियम, स्ट्रेप्टोकोकस बैक्टीरिया पूरी तरह सक्रिय होकर गंगा की रक्षा कर रहा है। पिछले दो महीने से गंगाजल की शुद्धता का अपनी लैब पर कई तरह का परीक्षण करने के बाद डॉ. सोनकर ने कहा कि बैक्टीरियोफेज गंगा की रक्षा के लिए स्वतः पैदा होता है। लोगों के स्नान से पैदा होने बैक्टीरिया को मारकर यह स्वतः समाप्त हो जाता है। बैक्टीरियोफेज की प्रजाति एमटीसीसी 432 में स्यूडोमोनास एरुगिनोसा नामक जीवाणु मनुष्यों में उत्पन्न होने वाली प्रतिरोधी रोगों से लड़ने की क्षमता है।

परिवहन विभाग ने अधिक किराया वसूली पर 13 गाड़ियों का किया चालान

प्रयागराज। महाकुम्भ में आये श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए परिवहन विभाग की ओर से यातायात एवं परिवहन व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए सघन प्रवर्तन कार्यवाही की जा रही है। परिवहन विभाग प्रयागराज ने प्रमुख टैम्पो–टैक्सी स्टैंड, अस्थायी बस स्टैंड और हाल्टिंग क्षेत्रों में किराया सूची प्रदर्शित की है, ताकि श्रद्धालुओं से अधिक किराया वसूली न की जा सके। इसके अलावा, जिलाधिकारी प्रयागराज के निर्देश पर सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन के पास श्रद्धालुओं से अधिक किराया वसूली की शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई की गई। प्रवर्तन टीमों ने मौके पर पहुंचकर 13 वाहनों के विरुद्ध चालान एवं निरूद्धीकरण की कार्यवाही की।

परिवहन विभाग ने छह प्रवर्तन टीमों को विभिन्न मार्गों पर तैनात किया है, जो निर्धारित किराया से अधिक वसूली करने वालों पर नजर रख रही हैं। सभी प्रवर्तन टीमें सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) अलका शुक्ला के निर्देशन में कार्यरत हैं। श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए लगातार निगरानी रखी जा रही है और आवश्यकतानुसार प्रवर्तन कार्यवाही की जा रही है।

1. अम्बरीश कुमार, एआरटीओ बदायूं – तेलियरगंज बैंकरोड, प्रयागराज स्टेशन

2 राजेश कुमार, एआरटीओ उरई – सूबेदारगंज–एयरपोर्ट ब्लूमनगंज मार्ग

3. अमिताभ राय, एआरटीओ हमीरपुर – नैनी–लेप्रोसी चौराहा

4. विनय कुमार मिश्रा, पीटीओ बरेली – सिविल लाइन्सधरेलवे स्टेशन

रोडवेज बस पर युवक ने किया पथराव, 60 यात्रियों से भरी बस का शीशा टूटा

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के सरोजनी नगर में बुधवार को उरई जा रही रोडवेज की चलती बस में करीब 35 वर्षीय युवक ने अचानक हमला कर दिया। वह बस पर ईंट पत्थर फेंकने लगा। इससे बस के यात्री दहशत में आ गए। बस के चालक ने आनन फानन बस रोकी और उतरकर उसे पकड़ लिया। लेकिन बाद में पता चला कि बस पर ईंट पत्थर फेंकने वाला युवक पागल होने के साथ अधिक नशे में है। जालौन जिले के कटरा मोहल्ला निवासी बस चालक अन्सार मंसूरी के मुताबिक बुधवार को वह उरई डिपो की रोडवेज बस (यूपी 78 जेएन 0873) लेकर लखनऊ से उरई जा रहा था। बस में करीब 60 यात्री सवार थे। बस चालक अंसार ने बताया कि वह दोपहर करीब 2 बजे जैसे ही सरोजनी नगर में कानपुर रोड स्थित एयरपोर्ट कामर्शियल तिराहे के पास पहुंचा तभी सड़क किनारे खड़ा एक युवक बस पर ईंट पत्थर फेंकने लगा। बस पर अचानक ईंट पत्थरों से हमला होने पर बस के अंदर सवार सभी यात्री दहशत में आ गए और चीखने चिल्लाने लगे। चालक अन्सार ने बताया कि इसके बाद आनन फानन बस रोककर देखा गया तो ईंट पत्थर फेंकने वाला युवक पागल निकला। साथ ही वह काफी नशे में था। यह पता चलने के बाद बस चालक और उस पर सवार यात्री बस में बैठकर अपने गंतव्य रवाना हो गए। हालाकि बस पर ईंट पत्थर फेंकने से उसका पिछला शीशा क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं इस घटना में किसी भी यात्री को कोई चोट नहीं आई, बल्कि वह बाल बाल बच गए।

मासूम के साथ नाबालिगों ने किया रेप, धमकी देकर कराते थे चुप

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में तीन साल की बच्ची के साथ तीन नाबालिगों ने रेप की वारदात को अंजाम दिया है। बच्ची के रोने पर धमकी देकर चुप करा देते थे। घटना बीबीडी थाना क्षेत्र की है। बच्ची की मां ने जानकारी होने पर तीनों के खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस आरोपियों को पकड़ कर मजिस्ट्रेट के समाने पेश किया है। पीड़िता की मां ने पुलिस को बताया कि कुछ दिनों से बच्ची डरी है। 27 जनवरी को वह घर के बाहर खेल रही थी। तभी इलाके के तीन नाबालिगों को देख कर सहम गई। जब बच्ची से पूछताछ की तो बताया कि तीनों ने उसके साथ गंदा काम किया है। आरोपी उसे खेलने के बहाने घर के पास स्कूल ले गए थे। वारदात के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दिए थे। बीबीडी इंस्पेक्टर अजय नारायण सिंह ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच के बाद तीनों को पकड़कर मजिस्ट्रेट के सामने पेश कर विधिक कार्रवाई की गई है।

आयुष अस्पताल का संपर्क मार्ग बदहाल, रोजाना सैकड़ों मरीज होते हैं परेशान

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ के पीजीआई कल्ली पश्चिम में स्थित 50 बेड के आयुष अस्पताल तक पहुंचने का रास्ता मरीजों के लिए मुसीबत बन गया है। आउटर रिंग रोड से अस्पताल तक का मार्ग इतना खराब है कि कई बार ई–रिक्शा तक पलट चुके हैं। सैकड़ों मरीज और उनके तीमारदार इस बदहाल रास्ते से होकर गुजरने को मजबूर हैं। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने आउटर रिंग रोड से अस्पताल तक उचित स्लोप का निर्माण नहीं किया है। इसके अलावा, आउटर रिंग रोड और अस्पताल के बीच लगभग 200 मीटर की खड़ंजे वाली सड़क का डामरीकरण न तो लोक निर्माण विभाग ने किया है और न ही नगर निगम ने इस ओर ध्यान दिया है। चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर संदीप शुक्ल के अनुसार, अस्पताल में भर्ती मरीजों और ओपीडी में आने वाले रोगियों की संख्या काफी है। उन्होंने रास्ते की मरम्मत के लिए संबंधित विभागों और जनप्रतिनिधियों से कई बार आग्रह किया है। अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

सिपाही ने महिला होम गार्ड का किया यौन–शोषण, कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ में महिला होमगार्ड को शादी का झांसा देकर कानपुर में तैनात सिपाही दस साल तक यौन शोषण किया। जब भी पीड़िता उससे शादी की बात करती मुकर जाता। पीड़िता का आरोप है कि वह दो बार गर्भवती हुई और दोनों बार जबरन गर्भपात करा दिया गया। कोर्ट के आदेश पर ठाकुरगंज पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ठाकुरगंज निवासी महिला होमगार्ड ने पुलिस को बताया कि 2012 में पति में पति से तलाक बाद बलिया निवासी अशोक यादव से दोस्ती हो गई। पुलिस विभाग में तैनात सिपाही अशोक ने शादी का झांसा देकर घर और होलट ले जाने लगा। जहां एक बार जबरन संबंध बनाए। विरोध पर जल्द शादी का दावा किया। उसके बाद लगातार यौन शोषण करता रहा। गर्भवती होने पर दो बार गर्भपात कराया। शादी न करने पर उसकी मां उर्मिला से शिकायत, लेकिन उसने भी नहीं सुनी। साथ ही उसके भाई राकेश ने भी धमकी दी। पीड़िता के मुताबिक 9 मई 2024 को आरोपी ने परिजनों के साथ मिलकर घर में घुसकर मारपीट की और मंगलसूत्र और मोबाइल लूट लिया। डीजीपी ऑफिस में शिकायत पर अशोक ने जल्द शादी करने की बात कह समझौता कर लिया था। ठाकुरगंज इंस्पेक्टर श्रीकांत राय ने बताया कि आरोपी अशोक यादव मौजूदा समय में कानपुर के किसी थाने में तैनात है। साक्ष्य के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

अंतर्जनपदीय चोरी करने वाले 4 चोर गिरफ्तार, अय्याशी करने के लिए करते थे चोरी

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ की मड़ियांव पुलिस ने अंतर्जनपदीय चोरी करने वाले गिरोह के 4 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपी बंद दुकान व मकान को अपना निशाना बनाते थे। चोरी के सामान को गलाकर राह चलते लोगों को बेच देते थे। पुलिस पूछताछ में बताया कि आरोपी चोरी के सामान से मिलने पैसों से अय्याशी करते थे। मड़ियांव पुलिस टीम को मंगलवार–बुधवार की बीच रात चेकिंग के दौरान संदिग्ध लोगों के इंजीनियरिंग कालेज चौराहे के पास खड़े होने की सूचना मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस को मड़ियांव पुल के नीचे पैदल चलने वाले सीढ़ी के पास चार मिले। पूछताछ में आरोपियों की पहचान चर्च रोड देव लोकपुरी कालोनी, अलीगंज निवासी मोहम्मद फहीम (28) पुत्र स्वर्गीय मुस्तकीम, बझियापुर थाना बाराबंकी निवासी मोहम्मद शोएब (22) पुत्र मोहम्मद नसीम जो इंटौजा में किराए का कमरा लेकर रहता है, लोहंगपुर महिंगवां निवासी अंकुल (22) पुत्र शिवचरन और सिधौली सीतापुर निवासी मोहम्मद कलीम (20) पुत्र मोहम्मद शब्बू के रुप में हुई।

बीजेपी महानगर का कंबल वितरण अभियान, भाजपा नेताओं ने जरूरतमंदों को बांटे

लखनऊ, संवाददाता। रक्षा मंत्री एवं सांसद राजनाथ सिंह के मार्गदर्शन में लखनऊ उत्तर विधानसभा में जरूरतमंदों को कंबल वितरित करने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा नेता नीरज सिंह समेत कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज में एनाटॉमी पत्रिका और बोर्ड उद्घाटित

पिठापुरम। होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज ने अपनी नई एनाटॉमी पत्रिका, एनाटोमिक होम्योपैथिक और अत्याधुनिक एनाटॉमी बोर्ड के शुभारंभ का जश्न मनाया। विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर आयोजित उद्घाटन समारोह में कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. यूएसवी प्रसाद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

प्रो. डॉ. प्रसाद ने पत्रिका और एनाटॉमी बोर्ड दोनों का आधिकारिक रूप से उद्घाटन किया और एनाटॉमिक शिक्षा और शोध को आगे बढ़ाने में उनके महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम का आयोजन मानव शरीर रचना विभाग द्वारा किया गया, जिसके अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. आनंद कुमार पिंगली हैं।

कार्यक्रम में बोलते हुए, डॉ. प्रसाद ने राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग, नई दिल्ली द्वारा प्रस्तावित योग्यता–आधारित गतिशील पाठ्यक्रम को लागू करने में मानव शरीर रचना विभाग के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने छात्र–केंद्रित शिक्षा के प्रति विभाग के समर्पण पर प्रकाश डाला और एनाटॉमिक होम्योपैथिक के शुभारंभ की सराहना की, जो ज्ञान के प्रसार और शरीर रचना विज्ञान में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक मूल्यवान मंच है। उन्होंने यह भी कहा कि एनाटॉमी बोर्ड, अपनी उन्नत विशेषताओं के साथ, छात्रों के सीखने के अनुभव को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगा और मानव शरीर के बारे में उनकी समझ को गहरा करेगा।

डॉ. आनंद कुमार पिंगली ने इन भावनाओं को दोहराते हुए सीबीडीसी के छात्र–केंद्रित दृष्टिकोण और पत्रिका और एनाटॉमी बोर्ड जैसी पहलों के माध्यम से इसे लागू करने के लिए विभाग की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। विभिन्न छात्र समिति के सदस्यों ने भी सीबीडीसी को लागू करने में अपने योगदान के बारे में बात की। कार्यक्रम के कार्यक्रम में विश्व कैंसर दिवस को शामिल करने से कैंसर को समझने और उससे लड़ने में शारीरिक ज्ञान के महत्व को रेखांकित किया गया। यह कार्यक्रम एक शानदार सफलता थी, जिसमें एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज में शारीरिक शिक्षा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर मनाने के लिए संकाय, छात्र और विशिष्ट अतिथि एक साथ आए। एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के छात्र और कर्मचारी कार्यक्रम में शामिल हुए।

एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज में एनाटॉमी पत्रिका और बोर्ड उद्घाटित

सृष्टि राज कृत बहादुर कूकू पुस्तक का विश्व पुस्तक मेला के लेखक मंच से हुआ विमोचन

विश्व पुस्तक मेले में हिंदी श्री के स्टाल से सबसे ज्यादा बिकने वाली पुस्तक बनी श्बहादुर कूकूश

मिर्जापुर। विश्व पुस्तक मेला, नई दिल्ली के प्रतिष्ठित लेखक मंच से सृष्टि राज की दूसरी पुस्तक बहादुर कूकू का विमोचन हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय कवि पं. अनित्य नारायण मिश्र, विशिष्ट अतिथि के रूप में गोपाल जी राय (पूर्व राजपत्रित अधिकारी, सूचना विभाग), वेद प्रकाश प्रजापति (महाप्रबंधक, ए आई ई एस एल), डॉ. मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव (वरिष्ठ साहित्यकार) मंचासीन रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रसिद्ध स्क्रिप्ट राइटर व लेखक शिब्बू गाजीपुरी ने किया। धन्यवाद वेद प्रकाश प्रयागराज ने किया।

सृष्टि राज कृत बहादुर कूकू बाल–कहानियों का संग्रह है। इससे पुर्व 2024 के विश्व पुस्तक मेले में सृष्टि राज की बाल–कहानियों की पुस्तक दर्पण में बचपन का विमोचन हुआ था। सृष्टि राज मिर्जापुर के विंध्यवासिनी महाविद्यालय की छात्रा हैं। जिन्हें बाल साहित्य लेखन के लिए कानपुर और नाथद्वारा, राजस्थान की साहित्यिक संस्थाओं द्वारा पुरस्कृत किया जा चुका है। सृष्टि राज मिर्जापुर के वरिष्ठ साहित्यकार आनंद अमित की पुत्री हैं।

विश्व पुस्तक मेले में मिर्जापुर व आस–पास के जिलों से गिने–चुने स्टाल लगे हैं। हिंदी श्री के स्टाल पर मिर्जापुर के वरिष्ठ साहित्यकार भोलनाथ कुशवाहा की पांच पुस्तकें, आनंद अमित की छह पुस्तकें, डॉ. मिथिलेश श्रीवास्तव की नौ पुस्तकें, रमाशंकर सिंह यादव की पांच पुस्तकें, डॉ. उषा कनक पाठक, केदार नाथ सविता व स्व. अधिदर्शक की दो–दो पुस्तकें, स्व. आनंद संधिदूत, अरविंद अवस्थी, सर्वेश मिर्जापुरी, अभिनव पांडेय, पूजा यादव व भरत केसरी की एक–एक पुस्तक विश्व पुस्तक मेले में प्रदर्शित की गई हैं।

साप्ताहिक राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ

प्रयागराज। सीएमपी कॉलेज प्रयागराज में जंतु विज्ञान विभाग द्वारा एडवांस लैबोरेट्री टेक्निक्स इन लाइफ साइंस विषय पर साप्ताहिक राष्ट्रीय कार्यशाला और व्यक्तिगत प्रशिक्षण का शुभारंभ बुधवार को हुआ। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि केपी ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ सुशील कुमार सिंहा थे जिन्होंने कार्यशाला के सफल आयोजन की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डॉक्टर नीरजा कपूर और डॉक्टर उमा रानी अग्रवाल, भूतपूर्व एसोसिएट प्रोफेसर, जंतु विज्ञान विभाग सीएमपी कॉलेज उपस्थित रही। डॉक्टर उमा रानी ने विज्ञान विषयों के अध्ययन और अनुसंधान में आधुनिक तकनीकों के प्रयोग को रेखांकित किया। डॉक्टर नीरजा कपूर ने समय समय पर विभाग द्वारा इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे ने विगत वर्षो में

सीएमपी कॉलेज में हुए विकास कार्यों को रेखांकित करते हुए बताया कि कॉलेज हीरक जयंती वर्ष में विभिन्न विषयों में इस तरह के सेमिनार और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है जिसका लाभ निश्चित रूप से कॉलेज के छात्रों के साथ साथ अन्य कॉलेजों के छात्रों को भी हो रहा है। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर हेमलता पंत ने किया। कार्यशाला के संयोजक डॉ मनोज कुमार जायसवाल ने अगले एक सप्ताह तक होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम का परिचय दिया एवं कार्यक्रम सचिव डाक्टर अजीत कुमार सिंह ने मुख्य वक्ता प्रोफेसर मृत्युंजय देव पाण्डेय का परिचय दिया जिन्होंने श्स्पेक्ट्रोस्कॉपी एप्लीकेशन इन बायोलॉजिकल रिसर्चश पर अपना व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉक्टर आशीष कुमार मिश्रा , डॉक्टर विनय कुमार सिंह और डाक्टर अजीत कुमार सिंह थे।धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर आशीष कुमार मिश्र ने दिया। इस मौके पर डॉक्टर ज्योति वर्मा, डॉ निधि त्रिपाठी, डॉक्टर चारू त्रिपाठी भी उपस्थित रहीं। कार्यशाला के प्रथम दिवस में प्रतिभागियों ने श्फ्लेम फोटोमीट्रिक एनालिसिस ऑफ सिरम आयनश का व्यक्तिगत प्रशिक्षण लिया जिसमें डॉक्टर मनोज कुमार जायसवाल रिसोर्स पर्सन थे।

पॉलिटेक्निक कॉलेजों को विश्वस्तरीय सुविधाओं से जोड़ेगी योगी सरकार

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के चार राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थानों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार किया जा रहा है। राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थानों को आधुनिक और अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करने से छात्रों को बेहतर शैक्षिक माहौल मिलेगा, जिससे तकनीकी शिक्षा को नया आयाम मिलेगा। प्रदेश के संभल, मैनपुरी, सिद्धार्थनगर और औरैया स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थानों में विभिन्न निर्माण कार्यों को स्वीकृति दी गई है। इसमें राजकीय पॉलिटेक्निक, चंदौसी, सम्भल, एम.एम.आई.टी., सिद्धार्थनगर, राजकीय पॉलिटेक्निक, छाछा भोगांव, मैनपुरी, एम.एम.आई.टी., औरैया शामिल है। इस कॉलेजो में विद्यार्थियों के लिए लैंग्वेज लैब, लेक्चर रूम, ट्यूटरियल रूम और गर्ल्स कॉमन रूम के निर्माण के साथ साथ 50–सीटेड सेमिनार हॉल और कॉलेजों की सुरक्षा के लिए बाउंड्री वॉल का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए बकायदा शासनादेश जारी किया गया है, इसके लिए करोड़ों रुपये की धनराशि भी स्वीकृत किया गया है। अधिकृत सूत्रों ने दावा किया कि सरकार का यह कदम प्रदेश में तकनीकी शिक्षा को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह श्नए भारत के नए उत्तर प्रदेशश के विजन को साकार करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। आधुनिक प्रयोगशालाओं, सेमिनार हॉल और अन्य बुनियादी ढांचे के विकास से छात्रों को व्यावहारिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी।

'शहर समता विचार मंच तिनसुकिया गोलाघाट की दिसंबर माह 2024 की काव्य गोष्ठी धूमधाम से संपन्न'

तिनसुकिया गोलाघाटसशहर समता विचार मंच तिनसुकिया गोलाघाट की जनवरी महीने की महिला काव्य गोष्ठी शाखा अध्यक्ष रंजना बिनानी की अध्यक्षता में आंनलाइन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्य गोष्ठी की मुख्य अतिथि अर्चना जायसवाल सरताज, विशिष्ट अतिथि. राधा बिनानी रही। यह काव्य गोष्ठी

प्रातः 11 बजे से ऑनलाइन रखी गई। काव्य गोष्ठी की अध्यक्षता रंजना बिनानी द्वारा की गई।

मां सरस्वती की मूर्ति स्थापना, दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण रंजना बिनानी द्वारा किया गया। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन सरला बजाज ने किया। मां सरस्वती की वंदना मीना नागोरी द्वारा प्रस्तुत की गई। इस काव्य गोष्ठी में रंजना बिनानी, पूनम अग्रवाल, सीमा सिंघी, निशा काबरा,, मीना नागोरी द्वारा 'बसंत ऋतु' विषय पर बहुत सुंदर सुंदर प्रस्तुतियां दी गई। सभी की रचनाएं एक से बढ़कर एक थी। प्रत्येक माह गोलाघाट असम शाखा द्वारा काव्य गोष्ठी का सफलतम आयोजन किया जाता है और सभी की उपस्थिति सराहनीय रहती है ..इस बार भी आप सब की उपस्थिति ने आयोजन में चार चांद लगा दिये। धन्यवाद ज्ञापन शाखा अध्यक्षा रंजना बिनानी द्वारा दिया गया।

महाकुंभ 2025 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्रों ने दिखाया अपनी कला का जलवा

प्रयागराज। महाकुंभ 2025 के अंतर्गत संस्कृति मंत्रालय उत्तर प्रदेश के राज्य ललित कला अकादमी पंडाल कलाकुंभ सेक्टर 7 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के दृश्य कला विभाग के विद्यार्थियों ने आउटरीच एक्टिविटी के तौर पर रेखांकन किया। इस दौरान छात्रों ने कलाकुंभ में आए दर्शकों के पोट्रेट स्केच बनाए।

दृश्य कला विभाग के प्रोफेसर डॉ. सचिन सैनी के निर्देशन में युग सिंह, शिवम, श्रेया शुक्ला, अपर्णा कुशवाहा, युवराज, सिद्धार्थ सिंह, अदिविति, ऋषभ शुक्ला आदि ने श्रद्धालुओं के स्केच 10 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक निरंतर बनाएंगे। श्रद्धालु इस प्रकार की फनकारी और कलाकारी को देखकर उत्साहित हुए।

कला कुंभ अंतर्गत राज्य ललित कला अकादमी लखनऊ द्वारा आयोजित प्रदर्शनी के संयोजक अकादमी सदस्य वरिष्ठ कलाकार रवीद्र कुशवाहा, डॉ सचिन सैनी, आशुतोष त्रिपाठी, अर्चना पांडेय ने युवा कलाकारों का मनोबल बढ़ाया और उन्हें आगे भी अच्छा कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

सम्पादकीय.....

ट्रंप का टैरिफ युद्ध

राष्ट्रपति पद संभालने के तुरंत बाद डोनाल्ड ट्रंप ने संरक्षणवादी एजेंडे के साथ ही चीन, कनाडा व मैक्सिको पर भारी–भरकम टैरिफ थोपकर व्यापार युद्ध की शुरुआत कर दी है। ट्रंप के फैसले से वैश्विक बाजारों में भूचाल है। इन तीनों देशों द्वारा इसका जबाब देने की घोषणा से विश्व व्यापार युद्ध शुरू होने की आशंका पैदा हो गई है। दरअसल, अमेरिका ने अपने शीर्ष व्यापारिक सहयोगी कनाडा व मैक्सिको पर 25 फीसदी और चीनी सामानों पर 10 प्रतिशत टैफिक थोपकर उन्हें आर्थिक प्रतिशोध हेतु बाध्य कर दिया है। कनाडा ने अमेरिकी आयात पर टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी है तो मैक्सिको भी ऐसा मन बना रहा है। वहीं चीन पिछली टैरिफ लड़ाइयों से परेशान होकर रणनीतिक प्रतिशोध को तैयार है। वह इस मामले को विश्व व्यापार संगठन तक ले जाने की बात कर रहा है। हालांकि, भारत फिलहाल ट्रंप की संरक्षणवादी कार्रवाई से बचा नजर आता है। भारत ने टैरिफ कटौती की दिशा में कदम उठाते हुए ट्रंप के उस टैरिफ दुरुपयोग के आक्षेप से बचने का प्रयास किया है, जिसको लेकर ट्रंप भारत को निशाने पर लेते हैं। दरअसल, भारत में शीर्ष तीस अमेरिकी वस्तुओं पर आयात शुल्क मसलन कच्चे पेट्रोलियम से लेकर हार्ले–डेविडसन मोटर साइकिल तक पर मामूली टैरिफ हैं। निस्संदेह, यह रणनीतिक कदम न केवल तत्काल अमेरिकी प्रतिशोध को रोकता है बल्कि वैश्विक आपूर्ति शृंखला में एकीकृत होने के लिये भारत की प्रतिबद्धता का भी संकेत देता है। जैसा कि केंद्रीय बजट 2025–26 में रेखांकित किया गया है। उल्लेखनीय है कि भारत अमेरिकी व्यापार घाटे में केवल 3.2 प्रतिशत का ही कारक है। इसकी वजह यह भी है कि भारत के तेजी से बढ़ते फार्मास्युटिकल और कीमती धातुओं के निर्यात फिलहाल कमजोर बने हुए हैं। यह अच्छी बात है कि ट्रंप ने पहले टैरिफ वार से भारत को राहत दी है, लेकिन वैश्विक व्यापार युद्ध से भारत में विदेशी निवेश प्रभावित हो सकता है। असर रुपये की सेहत पर भी पड़ेगा। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी अमेरिका यात्रा से द्विपक्षीय व्यापार खिड़की खुलने की संभावना है। वहीं ट्रंप की इस कार्रवाई का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि सामान पर टैरिफ बढ़ाए जाने से चीनी उत्पाद महंगे होंगे, तो भारतीय निर्यातक अमेरिका बाजार में नये अवसर तलाश सकते हैं। खासकर कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटो पार्ट्स के क्षेत्र में। लेकिन इसके बावजूद भारत को सावधानी से आगे बढ़ना चाहिए। इस टैरिफ जंग का एक पहलू यह भी कि अमेरिका में उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें बढ़ सकती हैं। ट्रंप ने अमेरिकी लोगों को मुश्किल समय के लिये तैयार रहने के लिये कहा है। आशंका है कि इससे भारत के सबसे बड़े निर्यात बाजारों में से एक में मांग कम हो सकती है। वहीं दूसरी ओर कोई भी अमेरिकी व्यापारिक प्रतिबंध अंततः भारत के प्रमुख उद्योगों को प्रभावित कर सकता है। हालांकि, हमने उभरते वैश्विक आर्थिक युद्ध से बचने के लिये व्यावहारिक टैरिफ रणनीति को अपनाया है, लेकिन अभी भी बड़े वैश्विक व्यापार युद्ध की आशंका खत्म नहीं हुई है। हालिया केंद्रीय बजट में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने टैक्स में छूट देकर मध्य वर्ग को खुश तो किया है, लेकिन ट्रंप के व्यापार युद्ध की घोषणा से भारत की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। ऐसे में भारत को व्यापार संतुलन को बनाये रखने और ग्लोबल इकॉनमी पर संभावित नकारात्मक प्रभाव के लिये तैयार रहना होगा। आशंका है कि कनाडा, मैक्सिको व चीन के बाद ट्रंप यूरोप को भी निशाने पर ले सकते हैं। एक अनिश्चितता पैदा हुई है कि यह टैरिफ युद्ध कितना और किस दिशा में बढ़ता है।

फोर्ब्स सूची में भारत के न होने के मायने

डॉ. दीपक पाचपोर

सर्वप्रमुख है नेतृत्व क्षमता। इसमें यह परखा जाता है कि देश का नेतृत्व कितना प्रभावशाली है। दूसरे, आर्थिक प्रभाव कितना है। इसका मतलब कि देश की अर्थव्यवस्था कितनी मजबूत और व्यापक है।

प्रतिष्ठित संस्था फोर्ब्स ने साल 2025 के लिये 10 सर्वाधिक शक्तिशाली देशों की जो सूची जारी की है, उसमें भारत का नाम नहीं है। फोर्ब्स के इस रैंकिंग मॉडल को बीएवी ग्रुप ने तैयार किया है, जो कि डब्ल्यूपीपी यूनिट का हिस्सा है जिसका नेतृत्व पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के व्हार्टन स्कूल के प्रो. डेविड रीबस्टीन करते हैं। वैसे इस सूची पर आलोचना भी हो रही है क्योंकि इसमें भारत जैसे विशाल व बड़ी जनसंख्या वाले देश भारत को बाहर कर दिया गया, जबकि कुछ छोटे देशों को शामिल किया गया है। यह भी सही है कि भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है उसकी सेना विश्व की चौथी बड़ी है। यह रैंकिंग अपने आप में चौंकाने वाली बताई जा रही है और बहुत सम्भव है कि देश का सरकार समर्थक कुनबा तथा गोदी मीडिया इसे श्भारत के खिलाफ साजिशश तथा श्प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बढ़ती लोकप्रियता से उपजी पश्चिमी जगत की ईर्ष्याश करार दे सकता हैय लेकिन बेहतर होगा कि इस बात पर मंथन किया जाये कि ऐसा क्या हुआ कि अबकी देश का नाम इस सूची से हटा दिया गया है। फोर्ब्स की रैंकिंग पर सवाल उठाकर भारत अपनी जगहंसाई ही करायेगा क्योंकि पश्चिम जगत में होने वाले ऐसे निष्कर्ष, सर्वे और समीक्षाएं शत प्रतिशत चाहे न कहें तो भी ज्यादातर स्वतंत्र व निष्पक्ष होती हैं जिन्हें न तो किसी सरकार द्वारा प्रभावित किया जा सकता है और न ही कभी उनकी मंशा पर संदेह व्यक्त किया जाता है– फोर्ब्स के बारे में तो ऐसा कहा ही जा सकता है। इसलिये फोर्ब्स द्वारा दी गयी रैंकिंग पर ऊंगली उठाने की बजाये बेहतर है कि भारत सरकार उन कारणों की समीक्षा करे जिनके आधार पर देश को दसवां स्थान भी नहीं मिला। देश की स्थिति के लिये नेतृत्व ही जिम्मेदार होता है– साफ है कि मोदी सरकार की कमजोरी फोर्ब्स की सूची में फेरबदल करने के लिये उत्तरदायी है। फोर्ब्स की रैंकिंग के मुताबिक ताकतवर देशों का क्रम इस प्रकार है– अमेरिका (जीडीपी 30.34 ट्रिलियन डॉलर), चीन (19.53 ट्रिलि.), रूस (2.2 ट्रिलि.), यूनाइटेड किंग्डम (3.73 ट्रिलि.), जर्मनी (4.92 ट्रिलि.), दक्षिण कोरिया (1.95 ट्रिलि.), फ्रांस (3.28 ट्रिलि.), जापान (4. 39 ट्रिलि.), सऊदी अरब (1.14 ट्रिलि.) और इजरायल (जीडीपी 550.91 बिलियन डॉलर)। यह जान लेना भी उचित होगा कि फोर्ब्स की यह रैंकिंग किन आधारों पर तय होती है। सर्वप्रमुख है नेतृत्व क्षमता। इसमें यह परखा जाता है कि देश का नेतृत्व कितना प्रभावशाली है। दूसरे, आर्थिक प्रभाव कितना है। इसका मतलब कि देश की अर्थव्यवस्था कितनी मजबूत और व्यापक है। एक पैमाना यह भी है कि देश का राजनीतिक रसूख कैसा है। अर्थात वैश्विक राजनीति में उस देश की स्थिति कैसी है। अंतरराष्ट्रीय गठबंधनों को भी देखा जाता है। इसके अंतर्गत इस बात की पड़ताल होती है कि अन्य देशों के साथ उसकी कूटनीतिक साझेदारी की स्थिति कैसी है और सैन्य शक्ति जिसमें यह देखा जाता है कि देश की सेना कितनी मजबूत और आधुनिक है)। इन सभी मानकों के समग्र प्रभाव का असर रैंकिंग तय करता है। कई देशों की अर्थव्यवस्था का आकार तो अधिक हो सकता है लेकिन नेतृत्व पर्याप्त सशक्त न हो तो उसका क्रमांक घट सकता है। ऐसे ही, अर्थव्यवस्था बड़ी हो, नेतृत्व भी प्रभावशाली हो लेकिन कूटनीतिक गठबन्धनों की दृष्टि से यदि वह देश प्रभाव नहीं छोड़ता तो उसका क्रमांक नीचे जा सकता है। वैसे देखें तो भारत अब भी बड़ी अर्थव्यवस्था है और उसकी सेना का आकार पहले की ही तरह विशाल है। जिस तथ्य के कारण भारत को इस प्रतिष्ठित सूची से हटाया गया है सम्भवतः वह है नेतृत्व का कमजोर होना। नरेन्द्र मोदी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय दोनों ही स्तरों पर कमजोर हुए हैं। पिछले साल हुआ लोकसभा का चुनाव उनके नेतृत्व में तथा उन्हीं के चेहरे पर लड़ा गया था। लक्ष्य था अकेले भाजपा के दम पर 370 सीटें लाना और सत्ताधारी गठबन्धन यानी नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) की सम्मिलित ताकत को लोकसभा में 400 सीटों के पार ले जाना। ऐसा हो नहीं हो सका। भाजपा की सदस्य संख्या 240 पर सिमट गयी तथा उसे सरकार बनाने में काफी कठिनाई हुई। उनकी कमजोरी का असर संसद के भीतर सरकार के कामकाज पर दिख रहा है। 2014–19 तथा 2019–24 के दो कार्यकालों की तरह मोदी सरकार मनमर्जी निर्णय लेने की हैसियत नहीं रखती। उसे वक्फ बोर्ड संशोधन अधिनियम संयुक्त संसदीय समिति को भेजना पड़ा। यह अलग बात है कि येन केन प्रकारेण सरकार उसमें अपनी मर्जी के संशोधन स्वीकृत कराने में सफल हो गयी। पिछली दो लोकसभाओं के मुकाबले लोकसभा में विपक्ष की स्थिति बेहतर हुई है और अनेक मुद्दों पर सत्ता पक्ष को प्रतिपक्ष को ध्यान से सुनना पड़ रहा है। हालांकि महाराष्ट्र व हरियाणा के चुनावों में भाजपा को विजय मिली है, पर यह भी सच है कि वह जम्मू–कश्मीर व झारखंड में हारी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अब नरेन्द्र मोदी का पहले जैसा असर नहीं दिखता। अमेरिका में नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 20 जनवरी को पद की शपथ ली तब उस समारोह में प्रधानमंत्री मोदी को आमंत्रित नहीं किया गया था। एक तरफ चीन को निमंत्रण दिया गया तथा दूसरी तरफ देश के प्रमुख कारोबारी मुकेश अंबानी को सपत्नीक न्यौता मिला था, जबकि नरेन्द्र मोदी 2020 में ट्रंप के चुनाव प्रचार के बाद अब भी उन्हें अपना प्यारा दोस्त ही बताते हैं। बहरहाल, फोर्ब्स सूची में दस शक्तिशाली देशों में भारत के न आने के मायने हैं कि नरेन्द्र मोदी की एक और बात जुमला साबित हुई है। देश को एक दशक से यही बताया जा रहा है कि भारत विश्वगुरु बन रहा है, लेकिन उस गुरु को सम्मान क्यों नहीं मिल रहा, ये सवाल है।

क्या होगा तेरा री दिल्ली?

राजेंद्र शर्मा

अब जबकि दिल्ली में चुनाव प्रचार थम चुका है और कम से कम सैद्धांतिक रूप से मतदाताओं को विवेकपूर्ण तरीके से अपना मन बनाने देने के लिए, प्रचार शांति के घंटे शुरू हो चुके हैं, एक बात पूरे यकीन के साथ कही जा सकती है कि इस बार का चुनाव आम आदमी पार्टी के लिए दिल्ली के 2013 के उसके पहले चुनाव को छोड़कर, सबसे मुश्किल विधानसभाई चुनाव साबित होने जा रहा है। ऐसा होने के दो स्वतः स्पष्ट कारणों की तो अधिकांश टीकाकारों ने चर्चा की है और उनका काफी कुछ विश्लेषण भी हुआ है। इनमें पहला कारण तो किसी हद तक नये जोश के साथ, कांग्रेस का पार्टी का लगभग सभी विधानसभाई सीटों पर उतरना और मुकाबले को किसी न किसी हद तक तिकोना बना देना ही है। बेशक, कांग्रेस पार्टी के सरकार बनाने के दावे को दिल्ली के मतदाताओं ने बहुत गंभीरता से लिया हो, ऐसा नजर तो नहीं आता है। इसमें शक नहीं कि चुनाव प्रचार के दौरान, खासतौर पर आम आदमी पार्टी की सरकार से असंतुष्ट मतदाताओं के एक गौरतलब हिस्से में, दिल्ली में लंबे अर्से तक रही कांग्रेस की शीला दीक्षित की सरकार के दौर के प्रति आकर्षण दिखाई दिया है। लेकिन, इससे इसका अनुमान तो लगाया जा सकता है कि कांग्रेस, दिल्ली में आम आदमी पार्टी सरकार से असंतुष्ट मतदाताओं के एक हिस्से को अपनी ओर खींचने में समर्थ है, लेकिन यह सोचना कांग्रेस के पक्ष में बहुत ही आशावादी होना होगा कि कांग्रेस, इस चुनाव में मुख्य मुकाबले में आ सकती है। हैरानी नहीं होनी चाहिए कि कांग्रेस के पूरे मन से नहीं भी तो, आधे से ज्यादा मन से यह चुनाव लड़ने के पीछे, मतदाताओं के इस हिस्से का रिस्पांस भी हो। विडंबना यह है कि मतदाताओं के इसी हिस्से का रिस्पांस, कांग्रेस के लोकसभा चुनाव के विपरीत आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन में चुनाव न लड़कर, दोनों के स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने के चुनावी निहितार्थ को लेकर भाजपा को दुविधा में डालता है। सरल चुनावी गणित यह कहता है कि लोकसभा के चुनाव में मिलकर लड़ीं आप पार्टी और कांग्रेस के अलग–अलग और वास्तव में एक–दूसरे के खिलाफ लड़ने से, भाजपा का ही रास्ता आसान होना चाहिए। याद रहे कि 2024 के लोकसभा चुनाव में आप और कांग्रेस ने, चार और तीन सीटों के फार्मूले के आधार पर समझौता कर चुनाव लड़ा था और इसमें सभी सात सीटों पर इंडिया गठबंधन की हार और भाजपा की जीत के बावजूद, इंडिया गठबंधन के पक्ष में कुल 43.3 फीसद वोट पड़े थे, जो 2019 के चुनाव में अलग–अलग लड़कर दोनों पार्टियों को मिले वोट से 2. 5 फीसद की बढ़ोतरी को दिखाता था, जबकि भाजपा 54.7 फीसद वोट हासिल करने में कामयाब रही थी और उसके वोट में 2019 के लोकसभा चुनाव के जैसे ही नतीजे के बावजूद, 2.2 फीसद वोट की कमी हुई थी। इसी प्रकार, 2024 में भाजपा को कुल 54 विधानसभाई सीटों पर बढ़त हासिल हुई थी, जबकि 2019 के चुनाव में उसे पूरी 65 सीटों पर बढ़त हासिल हुई थी। दूसरी ओर, इस बार आप को कुल 10 और कांग्रेस को 8 विधानसभाई सीटों पर बढ़त हासिल हुई थी। सरल गणित के हिसाब से तो कांग्रेस और आप पार्टी के अलग–अलग चुनाव लड़ने से, भाजपा की संभावनाएं ही बेहतर हो सकती हैं।लेकिन, जैसाकि हमने पीछे कहा, कांग्रेस पार्टी में कुछ जान पड़ने के उत्तसंकेत, भाजपा को चुनाव नतीजों पर इसके असर को लेकर दुविधा में भी डालते हैं। इसका संबंध आम आदमी पार्टी की धमाकेदार एंट्री के बाद के दिल्ली के विशिष्ट चुनावी इतिहास से है। 2013 के चुनाव में जब पहली बार दिल्ली की चुनावी राजनीति में आप की धमक सुनायी दी थी और मतदाताओं के लगभग बराबर के त्रिपक्षीय विभाजन में, 28 सीटों तथा करीब 28 फीसद ही वोट के साथ, दूसरे नंबर पर रही आप पार्टी ने, भाजपा को सत्ता से बाहर रखने के सिद्घांत के आधार पर कांग्रेस द्वारा दिए गए समर्थन के बल पर एक अल्पजीवी सरकार बनायी थी। कांग्रेस, करीब 24 फीसद वोट के साथ, 8 सीटों पर सिमट गयी थी, जबकि भाजपा 31 फीसद वोट के साथ 31 ही सीटें लेकर विपक्ष में बैठने पर मजबूर हो गयी थी। उस चुनाव से ही यह स्पष्ट था कि कांग्रेस के वोट का ही बड़ा हिस्सा आप को मिला था, जबकि भाजपा अपना परंपरागत वोट बनाए रखने में कामयाब रही थी। उसके बाद, 2015 और 2020 के चुनावों में कांग्रेस का वोट उत्तरोत्तर बैठते हुए, 4 फीसद पर पहुंच गया और उसकी सीटें शून्य पर आ गयीं, जबकि आप का मत फीसद 2020 के चुनाव में 54 फीसद से ऊपर निकल गया। इस ध्रुवीकरण में भी भाजपा अपने वोट में बहुत मामूली बढ़ोतरी ही कर पायी थी, जिसका अर्थ यह भी था कि कांग्रेस का वोट मुख्यतरू आप पार्टी की ओर ही गया था। ऐसी स्थिति में कांग्रेस के पुराने वोट का जितना भी हिस्सा उसकी ओर वापस लौटता है, वह आप पार्टी का ग्राफ नीचे लाने का और तुलनात्मक रूप से भाजपा की स्थिति मजबूत करने का काम कर सकता है। लेकिन, दिल्ली की चुनावी राजनीति की विशिष्टङ्घता को हम पूरी तरह से तब तक नहीं समझ पाएंगे, जब तक हम पिछले दो विधानसभाई तथा दो लोकसभाई चुनावों में सामने आयी एक अनोखी चुनावी परिघटना को हिसाब में नहीं लेंगे। इस परिघटना का संबंध, इस शहर राज्य के मतदाताओं के चयन के अनोखेपन से है, जिन्होंने लगातार और बहुत ही निर्णायक तरीके से, लोकसभा चुनाव में मोदी के पक्ष में और विधानसभा चुनाव में केजरीवाल के पक्ष में वोट दिया है। 2014 के लोकसभा चुनाव में अगर दिल्ली की सभी सात लोकसभा सीटें भाजपा की झोली में गयीं, तो उसके नौ महीने बाद हुए विधानसभा चुनाव में आप पार्टी ने झाड़ू फेर दी और सत्तर में से 67 सीटें जीत लीं। 2019 के लोकसभा और 2020 के विधानसभा चुनाव में भी करीब ज्यों का त्यों वही पैटर्न दोहराया गया और लोकसभा में भाजपा और विधानसभा में आप को झाड़ूमार कामयाबी मिली। 2024 के लोकसभा चुनावों में वही पैटर्न दोहराए जाने के बाद, अब पूछा जा रहा है कि क्या 2025 के विधानसभा चुनाव में भी वही पैटर्न नहीं दोहराया जाएगा? बहरहाल, इस पैटर्न के अंदर हो रहा एक बदलाव भी गौर करने वाला है। पहली बार जब यह पैटर्न सामने आया था, तब चुनावी विश्लेषणों में यह रेखांकित किया गया था कि दिल्ली के करीब 40 फीसद मतदाता ऐसे थे, जिन्होंने लोकसभा के लिए भाजपा को और विधानसभा के लिए आप को बेहतर च्वाइस माना था। इन चुनावों के दूसरे चक्र में भी यह पैटर्न बहुत हद तक बरकरार तो रहा था, लेकिन इसका प्रभाव कुछ घट गया था। 2019 और 2020 के चुनावों में 35 फीसद करीब मतदाताओं ने ही इस तरह का विवेक दिखाया था। हैरानी की बात नहीं होगी कि इस बार, यह अनुपात कुछ और घट जाए। बहरहाल, यह मानने का खास कारण नहीं है कि आप के लिए इस अनुपात में सारी गिरावट भाजपा के ही हिस्से में जाएगी। फिर भी, चाहे इस गिरावट का बड़ा हिस्सा भाजपा की ओर लौट भी जाए, आप से असंतोष का एक अच्छा खासा हिस्सा, कांग्रेस की ओर भी पलट सकता है। और अगर ऐसा होता है, जिसके कुछ आसार दिखाई भी दे रहे हैं, तो भाजपा के हाथ में मुख्यतरू उसका अपना परंपरागत वोट ही रह जाएगा, जबकि आप के वोट में कमी के ज्यादा हिस्से में कांग्रेस के मतदाताओं की घर वापसी हो रही होगी। उस सूरत में आप पार्टी की एक भिन्न किस्म की, जनहितकारी राजनीति करने वाली पार्टी की, सघन प्रचार और लाभार्थी योजनाओं के बल पर निर्मित छवि में, मोदी सरकार ने विभिन्न केसों तथा आरोपों के जरिए जो डेंट लगाया भी है, उससे भी भाजपा को बहुत ज्यादा लाभ शायद नहीं हो। यह दूसरी बात है कि भाजपा द्वारा सारी जनतांत्रिक मर्यादाएं तोड़ते हुए, पैसे और प्रचार साधनों के बल पर, जो आंधी उठायी गयी है, वह उसके लाभ की संभावनाओं को ही कई गुना बढ़ाकर दिखाती है, जिसे अक्सर चुनाव–पूर्व सर्वे भी प्रतिबिंबित करते हैं। लेकिन, इस सब के बीच, चुनाव जीतने के लिए संघ–भाजपा के कुछ भी करने के लिए तैयार होने को उस मुकाम पर पहुंचा दिया गया है, जहां चुनाव की सारी कसरत की ही वैधता बड़े सवालों के घेरे में आ गयी है।

नर्मदा जयन्ती आज–नर्मदा संरक्षण के लिए जरूरी नहीं है, भक्त होना

राजेन्द्र जोशी

दुनियाभर में हमारा देश अकेला है जहां नदियों की भक्ति को अहमियत दी जाती है। 4 फरवरी को नर्मदा जयन्ती है जिसमें हम हर साल की तरह फिर नर्मदा को भक्तिभाव से याद करेंगे, लेकिन क्या इस कर्मकांड में नदी की अविरलता, साफ–सफाई पर भी गौर किया जाएगा? नर्मदे हर, हर हर नर्मदे। नर्मदा का जयघोष नदी किनारों पर लगातार सुनाई देता है। सरकार के नुमाईंदे, राजनीतिक दलों से जुड़े लोग, गैर–सरकारी सामाजिक संगठन और विभिन्न समाजजन समय–समय पर नर्मदा संरक्षण की बात करते हैं। सरकार योजना बनाती है, राशि भी खर्च करती है, लेकिन परिणाम वही ढाक के तीन पात। कोई इस बात का खुलासा नहीं करता कि सदियों पुरानी नदी का संरक्षण क्यों जरूरी है, ऐसे कौन से कारण बन गये जिसके चलते नर्मदा नदी का संरक्षण जरूरी है। हर साल की तरह इस बार भी नर्मदा जयंती मनाई जाने वाली है, नर्मदा नदी के उदगम अमरकंटक से समुद्र संगम स्थल भरूच तक के दोनों किनारों के विभिन्न नगरों व ग्रामों में धार्मिक आयोजनों, भंडारों की धूम रहेगी। इन आयोजनों में जहां ग्रामवासी, साधु–सन्यासी स्वेच्छा से बढ़–चढ़कर हिस्सा लेते हैं तो सफेदपोश और बजरी चोर चांदी के सिक्कों की खनक से समाजसेवी और धर्मालु होने का प्रपंच पोस्टर बैनरों के माध्यम से करते दिखाई देते हैं। पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक नर्मदा विश्व की अकेली ऐसी नदी है जिसकी परिक्रमा की जाती है। समाज के हर तबके का व्यक्ति अपनी श्रद्धा, आस्था और आर्थिक–सामाजिक व्यवस्था को देखकर नर्मदा परिक्रमा करना चाहता है। कोई वाहनों से, कोई दो–पहिया वाहन से, कोई सायकल से, लेकिन सर्वोत्तम परिक्रमा पैदल ही मानी जाती है। इस यात्रा का अपना अलग ही अनुभव होता है। इसे वही महसूस करता है जो इसे करता है। नर्मदा के दोनों तटों पर मंदिरों, मठों, स्मारकों की लम्बी श्रंखला मौजूद है, जिसका अपना इतिहास और महत्व है। कुछ सालों से एक बात सभी ओर से सुनाई देती है– नर्मदा का संरक्षण करना है। ऐसा क्या हुआ जो आदिकाल से अपने पूर्ण अस्तित्व के साथ सभी को धन–धान्य देने वाली नदी को संरक्षण की आवश्यकता पड़ने लगी? प्रकृति प्रदत्त नदी के लिये संरक्षण आवश्यक नहीं है, वह तो अपना 1312 किमी का बहाव सदियों से अनवरत कर रही है। आज विचारणीय है कि हमने विकास के नाम पर नर्मदा को जितनी क्षति पंहुचाई, विकास के नाम पर नर्मदा नदी के साथ हमने जो–जो किया, श्रद्धा और आस्था के नाम पर हम जो कर रहे हैं, पर्यटन को लेकर नित नई योजना बना रहे हैं और बात कर रहे हैं, नर्मदा के संरक्षण की? नर्मदा के जल का अधिकतम दोहन हो सके इसलिये नदी पर बांधों की विशाल श्रंखलाएं बन चुकी हैं, नहरों और लिफ्ट सिंचाई योजनाओं से कृषि को अधिक सिंचित और गांव–गांव पेयजल पहुंचाने के दावे किये जा रहे हैं, जो कि कुछ हद तक सही हैं, तो कुछ नहरों का अस्तित्व बिना पानी के ही समाप्त हो गया है। वहीं बांधों के बनने से पानी थमने के कारण नर्मदा का प्रवाह थम गया है, मात्र मानसून के मौसम में बहता पानी नजर आता है, पानी रुकने से कई स्थानों पर नर्मदा का जल आचमन लायक भी नहीं रहता और बैक–वाटर से अन्य गंदगी भी नदी में मिल जाती है। धार्मिक श्रद्धा और आस्था के कारण नर्मदा नदी में विसर्जित की जाने वाली घरों, मंदिरों की पूजा सामग्री से पुण्य लाभ तो नहीं मिलता, उलटे जल–प्रदूषण होता है। साथ ही विभिन्न धार्मिक अवसरों पर नदी किनारे होने वाले आयोजनों से भी नदी में प्रदूषण बढ़ रहा है। नदी को हम धर्म के नाम पर प्रदूषित कर रहे हैं। नर्मदा को नर्मदा न रहने देगा यह पर्यटन–धार जिले के श्मेघनाथ घाटश से गुजरात के स्टेच्यू ऑफ यूनिटी (सरदार सरोवर बांध स्थल) तक क्रूज संचालन की चर्चा जोरों पर है। मध्यप्रदेश के पर्यटन विभाग द्वारा यह गतिविधि पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की जा रही है। विभाग की योजना के अनुसार 3 दिनों की इस यात्रा के दौरान पर्यटकों को जलक्रीड़ा तथा अन्य गतिविधियों से आकर्षित किया जाएगा। 170 किमी लंबे जलाशय के रास्ते में पड़ने वाले टापुओं पर भी रुकवाया जाएगा, ताकि बड़ी राशि खर्च करने वालों के मनोरंजन में कोई कमी न रहे। पैसा खर्च करने वाले पर्यटकों को राजसी प्राकृतिक वैभव का अहसास करवाया जा सके। नर्मदा का अर्थ केवल पानी नहीं है। किसी भी नदी में रहने वाले सारे जीव और जलीय वनस्पतियां सामूहिक रुप से नदी होते हैं जो उसे एक जीवित पारिस्थितिक तंत्र बनाते हैं। मध्यप्रदेश विधानसभा भी मई 2017 में ध्वनिमत से पारित एक संकल्प में नर्मदा को कानूनी जीवित इकाई मान चुकी है। क्रूज संचालन से नर्मदा में पलने वाले कई जीव और वनस्पतियां विलुप्ति की कगार पर पहुंच जाएगी। जीव–जंतुओं और वनस्पितयों का खात्मा एक तरह से नर्मदा के अंग–भंग के समान होगा और खण्डित मूर्तियों की पूजा करने की हमारे यहां परंपरा नहीं है। एक सवाल यह भी है कि पर्यटन यात्री मल–मूत्र विसर्जन भी क्रूज में ही करेंगे? तब आस्था और श्रद्धा का क्या होगा? हिंदू धर्म में नदियों, पहाड़ों से लेकर पेड़ों तक को पवित्र माना जाता है। नर्मदा की मान्यता ऐसी तारणहार देवी के रूप में हैं जिसके दर्शन मात्र से व्यक्ति पापमुक्त होकर आसानी से भवसागर पार कर सकता है। नर्मदा पुराण में भी कहा गया है–गंगा कनखले पुण्या कुरूक्षेत्रे सरस्वती, ग्रामे वा यदि वारण्ये पुण्या सर्वत्र नर्मदा। अर्थात् गंगा कनखल (हरिद्वार) में, सरस्वती कुरूक्षेत्र में विशेष रूप से पुण्य स्वरूपा होती हैं, परंतु नर्मदा ग्राम में, वन में कहीं भी प्रवाहित हों, वे सर्वत्र पुण्य स्वरूपा हैं। नर्मदा के अस्तित्व पर चुनौतियां कम नहीं हैं। गांवों और शहरों की सीवेज के साथ हानिकारक रसायनों का मिलना इसके उद्गम से संगम तक लगातार जारी है। सीवेज रोकने के कार्यक्रमों की घोषणाएं जुमले सिद्ध हो चुकी हैं। अमरकंटक से लेकर भरूच तक नर्मदा नदी के किनारे के कई ग्रामों, शहरों व कस्बों पर अवैध रेत खनन से जो खाइयां व गढ्ढे बन गये हैं वे अरबों रुपयों के बजट से भी नहीं भर पायेंगे। ग्राम पंचायतों को दिये खनन के अधिकारों को ठेंगा दिखाते बजरी माफियाओं के लिये कानून के हाथ लंबे नहीं हैं। पैसे व रसूख के दम पर वे हर रोज नर्मदा का सीना व किनारे छलनी कर रहे हैं। वास्तव में नर्मदा नदी को संरक्षित और प्रदूषण मुक्त करना है तो हमें अपने ही देश के मेघालय के नागरिकों से सलीका सीखना होगा। मेघालय के शिलांग शहर से 100 किमी की दूरी पर श्उमंगोटश नदी भारत के साथ एशिया की पहली एवं विश्व की दूसरे नम्बर की सबसे साफ नदी मानी जाती है। इसका पानी क्रिस्टल क्लियर यानी ऊपर से नदी तल स्पष्ट दिखाई पड़ता है। स्थानीय भाषा में श्डौकीश के नाम से जानी जाने वाली इस नदी को साफ रखने का जिम्मा स्थानीय समुदाय ने ले रखा है।

इंडियन सिनेमा को समर्पित एक खूबसूरत कहानी, सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव को क्रिटिक्स का सलाम

सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव एक दिल छू लेने वाली कहानी है नासिर शेख की, जो मालेगांव का एक शौकिया फिल्ममेकर है। उसके साथ है दोस्तों की एक अनोखी टोली, जो कम संसाधनों में भी बड़े सपने देखने से पीछे नहीं हटती। रीमा कागती के डायरेक्शन में बनी ये फिल्म इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल सर्किट में खूब तारीफें बटोर चुकी है। 2024 में 49वें टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में शानदार प्रीमियर से लेकर 68वें बीएफआई लंदन फिल्म फेस्टिवल और 36वें पाम स्प्रिंग्स इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल तक, जहां इसे यंग सिनेएस्ट अवॉर्ड में स्पेशल मेंशन मिलाकृइस फिल्म ने हर जगह अपनी छाप छोड़ी है। ये 4वें रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में भी दिखाई गई थी। फेस्टिवल सर्किट में धमाल मचाने के बाद, अब ये फिल्म 28 फरवरी को अमेरिका, यूके, यूएई, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और इंडिया में थिएटर्स में रिलीज होने के लिए तैयार है। ये फिल्म नासिर शेख की जिंदगी और उसके सफर को दिखाती है। द सैटरडे इवनिंग पोस्ट के मुताबिक, ये एक सादा, मजेदार और जीत की कहानी हैकृऐसे लोगों की जो अपने पैशन के पीछे भागते हैं और फिर हैरानी के साथ ये महसूस करते हैं कि दुनिया तो कब से उनके इस जुनून को अपनाने के लिए तैयार थी। ये सिर्फ एक उदाहरण है कि कैसे इस फिल्म ने दुनियाभर के दर्शकों और क्रिटिक्स के दिलों को छू लिया है! द गार्डियन और कई दूसरे क्रिटिक्स ने इसे ष्सिनेमा के दीवाने अंडरडॉग्स की जोशीली और दिल छू लेने वाली कहानीष् कहा है। ये फिल्म मालेगांव को सही मायनों में दुनिया के सामने लेकर आई है। जैसा कि द सैटरडे इवनिंग पोस्ट ने बिल्कुल सही कहा है, सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव के ये रियल–लाइफ फिल्ममेकर सिर्फ अपने शहर के हीरो नहीं बने, बल्कि उन्होंने एक ऐसा नया इंडियन फिल्म जॉनर बना दिया, जो आज भी जिंदा है। वहीं, डेडलाइन के पीट हैमंड ने इस फिल्म को एक अलग ही अंदाज में बयां किया है। उनके मुताबिक, ये एक फील–गुड कमिंग–ऑफ–एज स्टोरी है, जिसमें सिनेमा पैराडाइसो, द फैबेलमैन्स, ब्रेकिंग अवे और स्टैंड बाय मी का खूबसूरत मेल है। सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव ने अपनी अनोखी कहानी और सिनेमा की क्लासिक्स से मिलती–जुलती वाइब के चलते इंटरनेशनल मार्केट में जबरदस्त चर्चा बटोरी है। द रैप के मुताबिक, ये फिल्म एक ऐसी दिल जीतने वाली कहानी है, जहां कुछ मजेदार और जिद्दी लोग मिलकर एक शो करने का फैसला लेते हैं। वहीं, अगर आपको इसे थिएटर में देखने की और कोई वजह चाहिए, तो वैरायटी ने इसे बेहतरीन अंदाज में समझाया है– ''एक वक्त के बाद थिएटर में बैठा दर्शक भी फिल्म के किरदारों के साथ जुड़ने लगता है, और ये कनेक्शन इतना गहरा हो जाता है कि फिल्म देखते हुए एक तरह की

> ये फिल्म मालेगांव को सही मायनों में दुनिया के सामने लेकर आई है। जैसा कि द सैटरडे इवनिंग पोस्ट ने बिल्कुल सही कहा है, सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव के ये रियल-लाइफ फिल्ममेकर सिर्फ अपने शहर के हीरो नहीं बने, बल्कि उन्होंने एक ऐसा नया इंडियन फिल्म जॉनर बना दिया, जो आज भी जिंदा है।

कम्युनिटी वाली फीलिंग आने लगती है। बहुत कम फिल्में इतनी खूबसूरती से ये एहसास दिला पाती हैं कि आखिर लोग अब भी सिनेमा हॉल क्यों जाते हैं। सिनेफाइल रिव्यूज का कहना है कि सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक एहसास है। ये दोस्ती, जुनून और सिनेमा के जादू का जश्न है। तो तैयार हो जाइए अमेजन एमजीएम स्टूडियोज, एक्सेल एंटरटेनमेंट और टाइगर बेबी की इस खास फिल्म का जादू बड़े पर्दे पर 28 फरवरी को थिएटर्स में जरूर देखें।

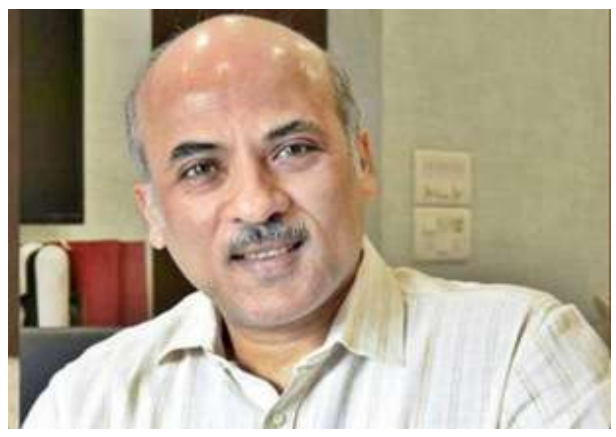

हम आपके हैं कौन' की शूटिंग के दौरान एक्टर्स के पास जाने से डरते थे सूरज बड़जात्या, बताया क्यों?

सफल निर्माता–निर्देशक सूरज आर बड़जात्या ने हाल ही में 'हम आपके हैं कौन' की यादों को ताजा करते हुए बताया कि उन्हें असल जिंदगी में जानवरों से डर लगता है। ओटीटी शो बड़ा नाम करेंगे के शो रनर सूरज ने इंडियन आइडल के एपिसोड के दौरान कहा, सूरज सिंगिंग रियलिटी शो 'इंडियन आइडल' के लेटेस्ट एपिसोड में दिखाई दिए और जानवरों से अपने डर के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा, "जानवर भी इंसानों की तरह ही महत्वपूर्ण हैं, लेकिन मुझे उनके आसपास डर लगता है। 'हम आपके हैं कौन' के दौरान हमारे पास दो कुत्ते थे, जो 'टफी' की भूमिका निभा रहे थे। एक सुबह की शूटिंग के लिए और दूसरा शाम की शूटिंग के लिए। यहां तक कि 'हम साथ साथ हैं' में भी जब हमने हाथी वाला सीन शूट किया, तो मैंने उस सीन के साथ दूरी बना ली थी, मैं कलाकारों के पास जाने से घबराता था, क्योंकि वे जानवरों के साथ शूट कर रहे थे। डर के बावजूद बड़जात्या की कहानी ने 'टफी' को हिंदी सिनेमा के सबसे यादगार किरदारों में से एक बना दिया, जिससे साबित होता है कि रचनात्मक नजरिया हमेशा व्यक्तिगत डर पर विजय पाती है।'बड़ा नाम करेंगे' का निर्देशन पलाश वासवानी ने किया है, जो 'गुल्लक' के लिए जाने जाते हैं। यह सीरीज जेनरेशन जेड की प्रेम कहानी को पेश करती है।शो में रितिक घनशानी, आयशा कडुस्कर, कंवलजीत सिंह, अलका अमीन, राजेश जैस, चित्राली लोकेश, दीपिका अमीन, जमील खान, राजेश तैलंग, अंजना सुखानी, साधिका सयाल, ज्ञानेंद्र त्रिपाठी, प्रियंवदा कांत, ओम दुबे और भावेश बबानी जैसे कलाकार शामिल हैं।'बड़ा नाम करेंगे' शो 7 फरवरी को सोनी लिव पर आने वाला है। 'इंडियन आइडल' सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होता है।

छोटी ड्रेस में टेलर स्विफ्ट में फ्लॉन्ट की लेग्स, हसीना की जांघ पर रूबी के टी पर टिकी सबकी निगाह

लॉस एंजिल्स के क्रिप्टो डॉट कॉम एरिना में हाल ही में 67वें ग्रैमी अवॉर्ड्स 2025 का आयोजन हुआ।इस शानदार शाम में टेलर स्विफ्ट ने अपनी मौजूदगी से महफिल ही लूट ली। 1.6 बिलियन डॉलर्स यानी करीब 13 हजार करोड़ से भी ज्यादा की संपत्ति की इस मालकिन ने रेड शॉर्ट ड्रेस में अपना कातिलाना अंदाज दिखा कर लोगों का दिल जीत लिया। टेलर स्विफ्ट ने इस बार ग्रैमी अवॉर्ड्स के लिए शिमरी कस्टम विविएन वेस्टवुड शॉर्ट ड्रेस चुनी। वन–शोल्डर कॉर्सेट ड्रेस में वो बेहद स्टाइलिश और ग्लैमरस नजर आ रही थीं,जैसे ही वो कैमरों के सामने आईं पूरी महफिल उनकी ओर खिंच गई।मिनी ड्रेस में लॉन्ग लेग्स को फ्लॉन्ट करती सिंगर रेड कार्पेट पर आई। रेड रूबी स्टोन्स के साथ एक खास 'टी' अक्षर था। अब ये 'टी' अक्षर क्या टेलर के बॉयफ्रेंड ट्रैविस के लिए था, या फिर ये उनकी खुद के नाम का पहला लेटर था? इसका जवाब तो सिर्फ टेलर ही दे सकती हैं। उन्होंने कान में डैंगलिंग रूबी रेड ईयररिंग्स पहने थे, जो चेहरे की खूबसूरती को और निखार रहे थे। इसके साथ ही उन्होंने एक एलिगेंट रिंग और रेड स्ट्रैपी स्टिलेटोज पहने। अटायर से लेकर जूलरी तक सबकुछ परफेक्ट था। रेड हॉट लुक के साथ मेकअप और हेयरस्टाइल को भी परफेक्टली मैच किया, जिससे उनका लुक और भी स्टाइलिश बन गया। इस बार भी इस अरबपति सिंगर ने अपने लिए सिग्नेचर रेड लिप्स चुने थे, जो उनकी ब्लू आइज और स्मोकी टच मेकअप के साथ कमाल के लगे।

तेजस्वी प्रकाश ने अपनी कुकिंग आर्ट से जजों को प्रभावित किया, फैंस उन्हें कहा–'सर्वोच्च...'

सेलिब्रिटी मास्टरशेफ दर्शकों का दिल जीतना जारी रखता है और सोशल मीडिया पर कई चर्चाओं को जन्म देता है। भारतीय टीवी पर अपनी शुरुआत के एक सप्ताह बाद, लोकप्रिय रियलिटी शो ने अपने दर्शकों को कई अविस्मरणीय क्षण प्रदान किए हैं। प्रतियोगिता तीव्र होने लगी है क्योंकि सेलिब्रिटी दर्शकों और जजों दोनों से प्रशंसा जीतने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। शेफ रणवीर बरार और शेफ विकास खन्ना को सम्मानित जज के रूप में चुना गया है, जबकि फराह खान ने शो की होस्ट की भूमिका निभाई है। पहले एपिसोड से ही तेजस्वी बेहतरीन प्रदर्शन कर रही हैं। दिवा ने अलग–अलग तरह के व्यंजन बनाने की कोशिश की है और खाना बनाते समय बहुत मेहनत की है। शो के जजों के साथ–साथ होस्ट फराह ने उनकी तैयारियों की तारीफ की है। हाल ही के एपिसोड में हमने शेफ कुणाल कपूर को मेहमान के तौर पर देखा। तेजस्वी प्रकाश, गौरव खन्ना, उषा नादकर्णी, निक्की तंबोली, राजीव अदातिया, अर्चना गौतम, दीपिका कक्कड़, अभिजीत सावंत, चंदन प्रभाकर, फैसल शेख उर्फ मिस्टर फैसू, कबिता सिंह प्रतियोगी हैं। तेजस्वी उन सेलिब्रिटी में से एक हैं जिन्होंने अपने पाक कौशल से सभी को प्रभावित किया है। हाल ही के एपिसोड में हमने शेफ कुणाल कपूर को मेहमान के तौर पर देखा। उन्होंने प्रतिभागियों से अपने व्यंजनों में सर्दियों का तत्व शामिल करने को कहा। तेजस्वी प्रकाश की रचना ने जजों और होस्ट दोनों का दिल जीत लिया। रणवीर बरार ने कहा कि इस डिश पर कई रील बनाई जाएंगी। विकास खन्ना ने घोषणा की कि तेजस्वी की डिश जल्द ही दुनिया भर में मशहूर हो जाएगी। फराह खान ने तेजस्वी के हाथों को चूमा और कहा कि वह यह डिश हर रोज खा सकती हैं। उनकी डिश को शदिन की सबसे अच्छी डिशश घोषित किया गया। फैंस अब तेजस्वी के दीवाने हो गए हैं। उन्होंने उनकी तारीफों के पुल बांधे हैं और वह सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रही हैं। एक्स पर एक यूजर ने लिखा, ''वह बेहद प्रतिभाशाली हैं।'' एक अन्य यूजर ने लिखा, ''तेजू डिश को दिन की सर्वश्रेष्ठ डिश के रूप में चुना गया शेफ विकास – टॉप डिश ऐसी थी जैसे हमलोग रोज खा सकते हैं ''तेजस्विप्रकाश ''तेजरान ''सेलिब्रिटीमास्टरशेफ'' तेजस्वी के साथ–साथ कबिता सिंह की डिश को भी उस दिन का सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया।

आओ एक साथ मिलकर कैंसर को हराएं, सितारों ने आयुष्मान भारत के लिए सरकार का किया शुक्रिया

बॉलीवुड सितारों ने मंगलवार को विश्व कैंसर दिवस पर एकजुट होकर समय पर उपचार और शुरुआती पहचान के महत्व पर जोर दिया, जो कि कैंसर के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण हैं। बॉलीवुड की मशहूर हस्तियों ताहिरा कश्यप, सोनाली बेंद्रे और इमरान हाशमी ने कैंसर के साथ अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा किए और इसके बारे में जागरूकता फैलाई। फिल्म निर्माता ताहिरा कश्यप और अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे, दोनों कैंसर से उबर चुकी हैं, उन्होंने अपने निदान और जल्दी पता लगाने और उपचार के महत्व के बारे में बात की। ताहिरा कश्यप, जिन्हें 2018 में स्तन कैंसर का पता चला था, ने बीमारी से लड़ने की चुनौतियों के बारे में बात की और आयुष्मान भारत और पीएम जय जैसी सरकारी पहलों की भी प्रशंसा की, जो लाखों लोगों के लिए कैंसर के उपचार को सुलभ बना रही हैं। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा– विश्व कैंसर दिवस पर, मैं आयुष्मान भारत और पीएम जय पहलों की सराहना करना चाहती हूं, जो कई लोगों के लिए समय पर कैंसर के उपचार को सुलभ बना रही हैं, चाहे उनकी वित्तीय पृष्ठभूमि कुछ भी हो। कैंसर एक ऐसी यात्रा है जो आपकी ताकत, लचीलापन और विश्वास का परीक्षण करती है। हालांकि, प्रारंभिक निदान और किफायती उपचार जीवित रहने की कुंजी है, और ऐसी सरकारी योजनाओं की बदौलत, लाखों लोग अब बेहतर भविष्य की उम्मीद कर सकते हैं। आइए एक–दूसरे का समर्थन करना जारी रखें और स्तन कैंसर का जल्दी पता लगाने के बारे में जागरूकता बढ़ाएं क्योंकि हम एक साथ मिलकर कैंसर को हरा सकते हैं,। सोनाली बेंद्रे, जिन्हें 2018 में हाई–ग्रेड कैंसर का पता चला था, ने भी शुरुआती पहचान और स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच के महत्व के बारे में बात की। उन्होंने आयुष्मान भारत जैसी पहल को जरूरतमंद परिवारों की मदद करने के लिए गेम चेंजर बताया। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा– आज, विश्व कैंसर दिवस पर, मैं एक कठोर वास्तविकता के बारे में बात करना चाहता हूंरू कैंसर हर साल लाखों लोगों को प्रभावित करता है, और देर से पता लगने पर अक्सर इलाज एक कठिन चुनौती बन जाता है। कैंसर के खिलाफ लड़ाई में शुरुआती पहचान बहुत जरूरी है, लेकिन कई लोगों के लिए, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच एक बड़ी बाधा रही है। इसलिए आयुष्मान भारत जैसी पहल गेम चेंजर हैं। सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सेवा प्रदान करके, अनगिनत परिवार अब समय पर कैंसर का इलाज करवा सकते हैं और सबसे महत्वपूर्ण, शुरुआती पहचान। इसका असर वास्तविक है, वित्तीय बाधाएं टूट रही हैं और लोगों में कैंसर से लड़ने का आत्मविश्वास बढ़ रहा है...।

बालों को लंबा और घना बनाने के लिए लगाएं ये हेयर जेल, खुश कर देगा रिजल्ट

वैसे तो लंबे बाल हम सभी को पसंद होते हैं। लेकिन बाल तभी बढ़ते हैं, जब बालों की अच्छे से केयर की जाए। ऐसा इसलिए क्योंकि बालों को सही पोषण की जरूरत होती है। बालों की सही केयर करने से यह लंबे और मजबूत होते हैं। ऐसे में बालों को लंबा और मजबूत बनाने के लिए हम में से बहुत से लोग मार्केट के प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में आप घर के बने हेयर जेल का इस्तेमाल कर सकती हैं। घर पर बना हेयर जेल बालों को हेल्दी रखने में भी सहायता करता है। आप फ्लैक्स सीड्स की मदद से इस हेयर जेल को बना सकते हैं। हालांकि आप इसको लगाने से पहले एक्सपर्ट सलाह ले सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि फ्लैक्स सीड्स से आप हेयर जेल कैसे बना सकती हैं और इसको लगाने से क्या–क्या फायदे मिलते हैं।

जेल बनाने की सामग्री

एलोवेरा जेल – 2 चम्मच

फ्लैक्स सीड्स – 2 चम्मच

पानी – 1 कप

नारियल तेल – 1 चम्मच

इस तरह बनाएं हेयर जेल

एक पैन में पानी डालकर फ्लैक्स सीड्स को अच्छे से पकाएं।

इसको मीडियम आंच पर पकाएं, जबतक यह अच्छे से गाढ़ा न हो जाए।

वहीं पैन का पानी जब जेल में बदल जाए, तो इसको ठंडा होने के लिए रख दें।

अब फ्लैक्स सीड्स के जेल को छानकर एक कटोरी में निकाल लें।

इसके बाद इसमें ताजा एलोवेरा जेल और नारियल तेल को मिक्स करें।

ऐसे करें हेयर जेल का इस्तेमाल

सबसे पहले बालों को सुलझा लें।

फिर स्कैल्प में जेल अप्लाई करें और हल्के हाथों से मसाज करें।

वहीं 30–40 मिनट लगा रहने दें।

फिर हल्के शैंपू से बालों को साफ कर लें।

हेयर जेल के फायदे

एलोवेरा जेल बालों को नमी और डैंड्रफ को करने का काम करता है। इससे बाल हेल्दी नजर आते हैं।

फ्लैक्स सीड्स बालों को मजबूती देने का काम करता है। इसलिए आपको बालों में फ्लैक्स सीड्स का जेल लगाना चाहिए।

नारियल तेल बालों को गहराई और पोषण देने का काम करता है।

बालों को लंबा करने के लिए आप सही नुस्खों को ट्राई करें। वहीं किसी भी चीज को इस्तेमाल करने से पहले एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें। इससे आप सही चीजों को बालों में इस्तेमाल कर पाएंगी। साथ ही बालों की स्कैल्प हेल्दी रहेगा और आपको बालों पर मार्केट के केमिकल्स वाले प्रोडक्ट का इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

गरीबी और बीमारियों का घर होती है ऐसी रसोई, मां लक्ष्मी कभी नहीं करती प्रवेश

हमारी भारतीय संस्कृति में घर के हर कोने को एक विशेष महत्व दिया जाता है, खासकर किचन को। किचन न सिर्फ खाना पकाने का स्थान होता है, बल्कि यह घर की समृद्धि, खुशहाली और सेहत से भी जुड़ा होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, किचन का सही स्थान और उसकी सफाई घर में सुख–शांति और समृद्धि बनाए रख सकते हैं। अगर किचन में कुछ छोटी–छोटी गलतियां हो जाएं, तो यह न केवल घर के वातावरण पर असर डालती हैं, बल्कि लक्ष्मी माता की कृपा भी दूर कर सकती हैं। आइए जानते हैं कि किचन में कौन सी गलतियां नही करनी चाहिए, जिससे मां लक्ष्मी नाराज हो सकती हैं।

किचन की सफाई न करना

किचन में साफ–सफाई रखना बहुत जरूरी है। अगर किचन गंदा रहता है, तो यह न केवल वास्तु के अनुसार अपशगुन है, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए भी नुकसानदायक हो सकता है। गंदगी और बिखरे हुए बर्तन लक्ष्मी माता की कृपा को दूर कर सकते हैं। इसलिए हमेशा किचन को साफ और व्यवस्थित रखें।

रात को जूठे बर्तन छोड़ना

रात को जूठे बर्तन छोड़कर सोने से घर में नकारात्मक ऊर्जा फैलती है। वास्तु के अनुसार, जूठे बर्तन रात भर किचन में छोड़ने से घर में दरिद्रता और परेशानी आती है। इसलिए, रात को बर्तन धोकर ही सोने जाएं। यह न सिर्फ घर में सकारात्मक ऊर्जा लाएगा, बल्कि लक्ष्मी माता की कृपा भी बनी रहेगी।

चप्पल पहनकर किचन में जाना

किचन में चप्पल पहनकर जाना वास्तु के अनुसार गलत है। घर के पवित्र स्थानों पर चप्पल पहनकर नहीं जाना चाहिए, क्योंकि इससे नकारात्मक ऊर्जा घर में प्रवेश करती है। हमेशा किचन में नंगे पैर या साफ–सुथरे सॉक्स पहनकर ही प्रवेश करें।

किचन का गलत दिशा में होना

वास्तु शास्त्र में कहा गया है कि किचन का स्थान घर में खास दिशा में होना चाहिए। अगर किचन घर के दक्षिण–पश्चिम दिशा में है तो यह घर के लिए अशुभ हो सकता है। किचन को घर के दक्षिण–पूर्व दिशा में बनाना सबसे शुभ माना जाता है, क्योंकि यह अग्नि तत्व से जुड़ा होता है। किचन की दिशा का ध्यान रखना बेहद जरूरी है।

नल या पाइप लीक होना

किचन के नल या पाइप में लीकेज होना भी वास्तु के अनुसार घर में धन की हानि का कारण बन सकता है। यदि किचन में कोई नल या पाइप लीक हो रहा है, तो उसे तुरंत ठीक करवाना चाहिए। यह धन की बर्बादी और बुरी किस्मत को दूर कर सकता है।

मुसीबत बन सकती हैं ये गलतियां: वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि व्यक्ति को कभी भी किचन में बैठकर खाना नहीं खाना चाहिए। ऐसा करने से मां लक्ष्मी आपसे नाराज हो सकती हैं। इसी के साथ कभी भी किचन के ठीक सामने बाथरूम न बनवाएं। ऐसा करने से व्यक्ति को वास्तु दोष का सामना करना पड़ता है, जो आगे चलकर मुसीबत का सबब बन जाता है।

नोटः इस लेख में बताए गए उपायध्लाभध्सलाह और कथन केवल सामान्य सूचना के लिए हैं।

महिलाओं के लिए बेहद फायदेमंद ये 5 बीजः स्किन, सेहत और बाल रहें हमेशा अच्छे

आजकल महिलाएं अपने स्वास्थ्य और सुंदरता के लिए बहुत जागरूक हो गई हैं। खानपान में पोषण से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन करने से वे अपनी सेहत और सुंदरता दोनों का ख्याल रख सकती हैं। बीज एक ऐसा खाद्य पदार्थ हैं, जो आसानी से उपलब्ध होते हैं और इनमें कई महत्वपूर्ण पोषक तत्व होते हैं, जो महिलाओं के लिए बेहद फायदेमंद हो सकते हैं। यहां हम 5 ऐसे बीजों के बारे में बात करेंगे, जो महिलाओं के स्किन, सेहत और बालों के लिए बहुत अच्छे हैं।

फ्लैक्स सीड्स

फ्लैक्स सीड्स भी महिलाओं के लिए एक बेहतरीन विकल्प हैं। ये बीज विटामिन ठ, प्रोटीन, फाइबर, और ओमेगा–3 फैटी एसिड से भरपूर होते हैं। फ्लैक्स सीड्स त्वचा को हाइड्रेट करते हैं और त्वचा के अंदर से ग्लो लाते हैं। इनमें एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो मुंहासों और त्वचा के अन्य समस्याओं से राहत दिलाते हैं। इन बीजों में मौजूद ओमेगा–3 और लिग्नांस बालों की सेहत को बढ़ाते हैं और बालों को झड़ने से रोकते हैं। फ्लैक्स सीड्स दिल की सेहत को बेहतर बनाते हैं और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखते हैं। ये बीज हार्मोनल बैलेंस को बनाए रखने में भी मदद करते हैं।

सूरजमुखी के बीज

सूरजमुखी के बीज महिलाओं के लिए पोषण का खजाना होते हैं। इनमें विटामिन म्, जिंक, और मैग्नीशियम होते हैं। ये बीज हमारे शरीर के लिए कई लाभकारी होते हैं। इन बीजों में मौजूद विटामिन म् त्वचा को मॉइस्चराइज करता है और उसे नमी प्रदान करता है। साथ ही, यह त्वचा को सूर्य के हानिकारक प्रभावों से बचाता है। सूरजमुखी के बीज बालों के लिए भी फायदेमंद होते हैं, क्योंकि इनमें जिंक और विटामिन म् होता है, जो बालों की वृद्धि को बढ़ाता है और उन्हें स्वस्थ रखता है। सूरजमुखी के बीज दिल की सेहत को सुधारते हैं और ब्लड शुगर को नियंत्रित रखते हैं। यह शरीर में सूजन को कम करने में भी मदद करते हैं।

कद्दू के बीज

कद्दू के बीज भी महिलाओं के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। इनमें प्रोटीन, जिंक, और मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व होते हैं। कद्दू के बीज में मौजूद जिंक त्वचा को स्वस्थ रखता है और मुंहासों को कम करने में मदद करता है। कद्दू के बीज बालों के विकास को बढ़ावा देते हैं और बालों को घना और मजबूत बनाते हैं। कद्दू के बीज महिलाओं के हार्मोनल बैलेंस को बनाए रखने में मदद करते हैं और शरीर में सूजन को कम करते हैं। ये बीज इम्यून सिस्टम को भी मजबूत करते हैं।

चिया बीज

चिया बीज छोटे लेकिन बहुत पौष्टिक होते हैं। ये ओमेगा–3 फैटी एसिड, प्रोटीन, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं। ये बीज महिलाओं के लिए खासतौर पर फायदेमंद होते हैं क्योंकि चिया बीज में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो त्वचा को युवाओं का अहसास दिलाते हैं और झुर्रियों को कम करने में मदद करते हैं। चिया बीज में विटामिन म् और ओमेगा–3 फैटी एसिड होते हैं, जो बालों की सेहत के लिए अच्छे होते हैं। इससे बाल मजबूत और चमकदार बनते हैं। ये बीज वजन घटाने में मदद करते हैं, क्योंकि इनमें फाइबर की अच्छी मात्रा होती है। साथ ही, यह पाचन में भी मददगार होते हैं।

तिल के बीज

तिल के बीज भारतीय खानपान का एक अहम हिस्सा हैं और ये स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। इनमें कैल्शियम, आयरन, और फास्फोरस जैसे महत्वपूर्ण मिनरल्स होते हैं। तिल में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को निखारते हैं और उसे एजिंग के असर से बचाते हैं। तिल तेल भी त्वचा को पोषण देता है। तिल के बीज बालों के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं क्योंकि इनमें तांबा और जिंक होता है, जो बालों की ग्रोथ को बढ़ाता है।तिल के बीज हड्डियों को मजबूत बनाते हैं, क्योंकि इनमें कैल्शियम की भरपूर मात्रा होती है। ये दिल की सेहत और पाचन को भी बेहतर बनाते हैं। इन 5 प्रकार के बीजों को अपनी डाइट में शामिल करके महिलाएं अपनी त्वचा, बालों और सेहत को बेहतर बना सकती हैं।

कच्चा दूध से बना हुआ फेस पैक को चेहरे पर लगाकर मिलेगा शीशे की तरह चमक, जानें कैसे बनाएं

मौसम कोई भी हो स्किन की हमेशा केयर करना चाहिए। बदलते मौसम स्किन ड्राई और बेजान हो जाती है। ऐसे में हमे अपनी स्किन केयर करना भी जरुरी है। स्किन को हेल्दी बनाने के लिए कई घरेलू नुस्खें जिन्हें आप अजमाएं और त्वचा की रंगत में निखार लाएं। कच्चा दूध स्किन के लिए बेहद लाभकारी होता है। इसे लगाकर चेहरे को साफ किया जा सकता है। जिन लोगों की स्किन ड्राई रहती है उनके लिए ये काफी अच्छा है क्योंकि कच्चा दूध स्किन को मॉइश्चराइज करने में मदद करता है। आइए आपको बताते हैं कच्चे दूध से फेस पैक कैसे बनाएं।

कच्चे दूध का फेस पैक के लिए क्या चाहिए

– 2 चम्मच कच्चा दूध

– आधा छोटा चम्मच हल्दी पाउडर

– कॉफी

– गेहूं का आटा

कैसे बनाएं ये फेस पैक

कच्चा दूध का फेस पैक बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में दूध लें और इसमें हल्दी और चीनी मिला लें। जब चीनी घुल जाए तो इसमें कॉफी और गेहूं का आटा डालकर अच्छे मिक्स करें। एक गाढ़ा पेस्ट बनाकर तैयार करें और फिर इसे अपने साफ चेहरे पर लगाएं। फेस पैक लगाने के बाद पैच टेस्ट जरुर करें।

कैसे लगाएं ये फेस पैक

इस फेस पैक को लगाने के लिए आप सबसे पहले चेहरे को साफ कर लें और फिर फेस पैक को चेहरे पर अच्छे से लगाएं। कम से कम 15 से 20 मिनट तक इस फेस पैक को चेहरे पर लगा रहने दें और फिर स्किन साफ करने से पहले चेहरे पर पानी छिड़के और इस हल्के हाथों से रब करने की कोशिश करें। इस बात का ध्यान रखें कि हल्के हाथों से ही रब करें। फिर इसे गुनगुने पानी से साफ कर लें।

संक्षिप्त

पेनाउ के जरिये योनो–यूपीआई एकीकरण सिंगापुर से भारत में होने वाले लेनदेन के लिए बड़ी पहुंच करेगा प्रदान

सिंगापुर, एजेंसी। भारतीय स्टेट बैंक सिंगापुर ने कहा कि पेनाउ के माध्यम से योनो–यूपीआई एकीकरण की योजना सिंगापुर से भारत में होने वाले लेनदेन के लिए बड़ी पहुंच प्रदान करेगी। एसबीआई योनो–यूपीआई–पेनाउ को ऐसे समय में जोड़ने की योजना बनाई गई है, जब सिंगापुर मौद्रिक प्राधिकरण (एमएएस) और सिंगापुर में बैंकों के संघ (एबीएस) ने इस वर्ष के मध्य में दो नए भुगतान समाधान शुरू करने की योजना की घोषणा की है ताकि कॉर्पोरेट व खुदरा 'चेक' उपयोगकर्ताओं दोनों के लिए ई–भुगतान में बदलाव का समर्थन किया जा सके। एसबीआई सिंगापुर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एम. पी. शिवा ने बुधवार को 'पीटीआई–भाषा' से कहा, '' भविष्य में सुधार के लिए एसबीआई सिंगापुर यूपीआई से जुड़ने पर विचार कर रहा है, जो भारत सरकार की पहल है जो एकल 'इंटरफेस' के माध्यम से कई बैंक खातों को सशक्त बनाती है।'' उन्होंने कहा, '' पेनाउ के माध्यम से योनो–यूपीआई एकीकरण की योजना सिंगापुर से भारत में होने वाले लेनदेन के लिए बड़ी पहुंच प्रदान करेगी।'' योनो सिंगापुर को अक्टूबर 2024 में पेश किया गया था। योनो का मतलब 'यू ओनली नीड वन' है। इस बैंकिंग ऐप को एसबीआई सिंगापुर परिचालन के लिए सुरक्षित और मजबूत ढांचे पर विकसित किया गया है, जिसमें योनो ग्लोबल में मौजूद 'यूजर इंटरफेस' व अनुभव को शामिल किया गया है। सिंगापुर दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्र में भारत के सबसे बड़े व्यापार व निवेश साझेदारों में से एक है।

शेयर बाजार में जोरदार तेजी से निवेशकों की संपत्ति 5.95 लाख करोड़ रुपये बढ़ी

घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को जबर्दस्त तेजी रहने के बीच निवेशकों की पूंजी एक ही दिन में 5.95 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई। बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स 1,397.07 अंक यानी 1.81 प्रतिशत की छलांग लगाते हुए एक महीने के उच्चस्तर 78,583.81 अंक पर बंद हुआ। व्यापक बाजार में बीएसई मिडकैप सूचकांक भी 1.35 प्रतिशत उछल गया, जबकि स्मॉलकैप में 1.20 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। इस जोरदार तेजी के चलते बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण 5,95,996.51 करोड़ रुपये बढ़कर 4,25,50,826.11 करोड़ रुपये (4.88 लाख करोड़ डॉलर) हो गया। बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों में से 2,509 में बढ़त दर्ज की गई, जबकि 1,410 शेयरों में गिरावट रही और 154 अन्य अपरिवर्तित रहे।

रुपया शुरुआती कारोबार में नौ पैसे टूटकर 87.16 प्रति डॉलर

रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करते हुए नौ पैसे टूटकर 87.16 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि बाजार सहभागी अमेरिका और चीन द्वारा लगाए जा रहे शुल्क के प्रभाव पर विचार कर रहे हैं जिसका दबाव स्थानीय मुद्रा पर दिख रहा है। हालांकि, किसी भी केंद्रीय बैंक के हस्तक्षेप से रुपये को समर्थन मिल सकता है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 87.13 पर खुला और फिर फिसलकर 87.16 प्रति डॉलर पर आ गया, जो पिछले बंद भाव

के मुकाबले नौ पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.07 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ 107.89 पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.50 प्रतिशत की गिरावट के साथ 75.82 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने पिछले कई दिनों से जारी बिकवाली के बाद मंगलवार को खरीदारी की। उन्होंने 809.23 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

सोना लगातार पांचवें दिन तेजी के साथ नए शिखर पर पहुंचा, चांदी में आई 500 रुपये की नरमी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार आभूषण विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं की मजबूत मांग के बीच मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमतों में लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में तेजी जारी रही और यह 500 रुपये की तेजी के साथ 85,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। पिछले सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाली यह बहुमूल्य धातु 85,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। इस साल सोना 6,410 रुपये या 8.07 प्रतिशत बढ़कर 85,800 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो एक जनवरी को 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम था। मंगलवार को 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत में भी लगातार पांचवें सत्र में तेजी रही और यह 500 रुपए की तेजी के साथ 85,400 रुपए प्रति 10 ग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। हालांकि, चांदी की कीमतों में पांच दिन की तेजी का सिलसिला टूट गया और इसकी कीमत 500 रुपए की गिरावट के साथ 95,500 रुपए प्रति किलोग्राम रह गई, जबकि सोमवार को चांदी की कीमत 96,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। वायदा कारोबार में एमसीएक्स पर अप्रैल डिलीवरी वाले सोने का भाव 208 रुपये अथवा 0.25 प्रतिशत घटकर 83,075 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया।

स्विंग किंग भुवनेश्वर कुमार आज मना रहे अपना 35वां जन्मदिन, दोनों तरफ गेंद को घुमाने में हासिल की है महारत

वैश्विक क्रिकेट के स्विंग गेंदबाज के नाम से मशहूर भुवनेश्वर कुमार एक भारतीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी है। आज वह अपना 35वां जन्मदिन मना रहे हैं। घरेलू क्रिकेट में भुवनेश्वर उत्तर प्रदेश के लिए खेलते हैं और इंडियन प्रीमियर लीग में सनराइजर्स हैदराबाद का साथ छोड़कर आरसीबी के साथ जुड़े हैं। कुमार एक दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं जो बल्ले के खिलाफ दोनों तरफ कुशलता से स्विंग कराते है, विशेष रूप से देर से स्विंग बनाने में माहिर है। भुवनेश्वर तीनों प्रारूपों में खेलते हुए पांच विकेट लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज हैं।

भुवनेश्वर कुमार का जन्म और परिवार

उत्तर प्रदेश के मेरठ में भुवनेश्वर कुमार का जन्म 5 फरवरी 1990 को हुआ था। उनका पूरा नाम भुवनेश्वर कुमार सिंह है। भुवी के पिता उनके पिता किरण पाल सिंह, यूपी पुलिस में सब–इंस्पेक्टर थे। उनकी मां का नाम इंद्रेश सिंह है। कुमार की बड़ी बहन रेखा अधाना ने ही उन्हें क्रिकेट खेलने के लिए प्रेरित करती थी और उन्हें अपने पहले क्रिकेट कोचिंग सेंटर में ले जाती थी। नूपुर नागर के साथ 23 नवंबर 2017 को भुवनेश्वर कुमार ने सात फेरे लिए। नवंबर 2021 में उनके घर एक बेटी हुई, जिसका नाम अक्साह है।

कहाँ तक की पढ़ाई ?

भुवनेश्वर कुमार ने अपनी प्रारंभिक पढ़ाई अपने ग्रह शहर मेरठ में पूरी की। उन्हें पढ़ाई में कोई दिलचस्पी नहीं थी, इसलिए उन्होंने अपने क्रिकेट करियर पर पूरा ध्यान दिया। उन्होंने 12वीं कक्षा तक ही पढ़ाई की है।

उपलब्धियों से भरा है घरेलू क्रिकेट करियर

बंगाल के खिलाफ फर्स्ट क्लास में 17 साल की उम्र में भुवनेश्वर कुमार ने डेब्यू किया था। उन्होंने उत्तर प्रदेश के लिए खेलने के अलावा दिलीप ट्रॉफी में सेंट्रल ज़ोन के लिए भी खेला है। 2008–09 रणजी सीज़न के फाइनल में भुवनेश्वर ने पहली बार प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर को शून्य पर आउट किया। इस सत्र में अच्छे प्रदर्शन के कारण भुवनेश्वर कुमार को आईपीएल में रॉयल चौलेंजर्स बैंगलोर ने जेसी राइडर की जगह पर अपनी टीम में खेलने का मौका दिया है।

कुमार का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट जीवन

स्विंग किंग भुवनेश्वर कुमार ने अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर की शुरुआत पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ 25 दिसंबर 2012 को ट्वन्टी–२० अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेलकर की थी। इसके बाद उन्होंने 30 दिसंबर 2012 को पाकिस्तान के खिलाफ एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की। भुवनेश्वर कुमार ने अपने पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच की पहली गेंद पर ही पाकिस्तानी कप्तान मोहम्मद हफीज को क्लीन बोल्ड कर दिया था। वह अपने करियर की पहली गेंद पर विकेट लेने वाले दुनिया के 17वें और भारत के दूसरे गेंदबाज हैं। तो वहीं उन्होंने अपने टेस्ट क्रिकेट करियर की शुरुआत 22 फरवरी 2013 को ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के खिलाफ की थी। 2022 लखनऊ में श्रीलंका के खिलाफ मैदान पर उतरते ही भुवी ने अपने 200 इंटरनेशनल मुकाबले भी पूरे किये है। भुवनेश्वर अब उन खास भारतीय तेज गेंदबाजों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने 200 से ज्यादा इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं इस लिस्ट में भुवनेश्वर कुमार के अलावा जहीर खान, कपिल देव, जवागल श्रीनाथ और अजीत अगरकर शामिल हैं। उन्होंने 200 इंटरनेशनल मुकाबलों में 261 विकेट झटके हैं। उनके नाम 63 टेस्ट विकेट, 141 वनडे विकेट और 57 टी–20 विकेट हैं।

राशिद खान ने रचा कार्तिमान, ड्वेन ब्रावो के वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़कर बने टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज

अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान ने टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट चटकाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उन्होंने वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो को पछाड़ कर सबसे ज्यादा विकेट लेने का महारिकॉर्ड अपने नाम किया। राशिद इन दिनों एसए20 में खेल रहे हैं, जिसके जरिए उन्होंने सबसे ज्यादा टी20 विकेट चटकाने का खिताब अपने नाम किया। बता दें कि, राशिद खान एसए20 में एमआई केपटाउन की कमान संभाल रहे हैं। टूर्नामेंट का पहला क्वालीफायर पार्ल रॉयल्स और एमआई केपटाउन के बीच खेला गया। इसी मुकाबले में राशिद ने अपना पहला विकेट चटकाते ही ब्रावो का रिकॉर्ड तोड़ दिया। ब्रावो ने अपने टी20 करियर में 631 विकेट चटकाए। जबकि राशिद खान ने 633 विकेट अपने नाम कर लिए हैं। राशिद खान ने अक्टूबर, 2015 में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलते हुए अपना टी20 डेब्यू किया था, जिसमें उन्होंने महज 1 विकेट चटकाया था। अब 10 साल से भी कम वक्त में वह टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए । पिछले साल क्रिकेट संन्यास ले चुके ड्वेन ब्रावो ने फरवरी, 2006 में न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबला खेलकर टी20 डेब्यू किया था। ब्रावो को जो आंकड़ा छूने के लिए करीब 18 साल का वक्त लगा, राशिद ने उससे बड़ा आंकड़ा महज 10 साल से कम वक्त में ही छू लिया।

चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो सकते हैं पैट कमिंस, हेड कोच ने दे दिए संकेत

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस 19 फरवरी से शुरू होने वाले चौंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कमिंस की फिटनेस को लेकर बड़ा अपडेट दिया है। पैट कमिंस के बाहर होने पर स्टीव स्मिथ या ट्रेविस हेड को टीम की कमान सौंपी जा सकती है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर मिचेल मार्श पीठ में तकलीफ के कारण अगले महीने होने वाली आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए थे। मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने सेन से कहा कि, पैट कमिंस किसी भी तरह की गेंदबाजी फिर से शुरू नहीं कर सके हैं। इसका मतलब है कि हमें नया कप्तान चाहिए होगा। स्टीव स्मिथ और ट्रेविस हेड दो खिलाड़ी हैं, जिनसे हम बात कर रहे हैं। जबकि हम पैट के साथ मिलकर चौंपियंस ट्रॉफी टीम बना रहे हैं वे दो ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें हम नेतृत्व पद के लिए देखेंगे।

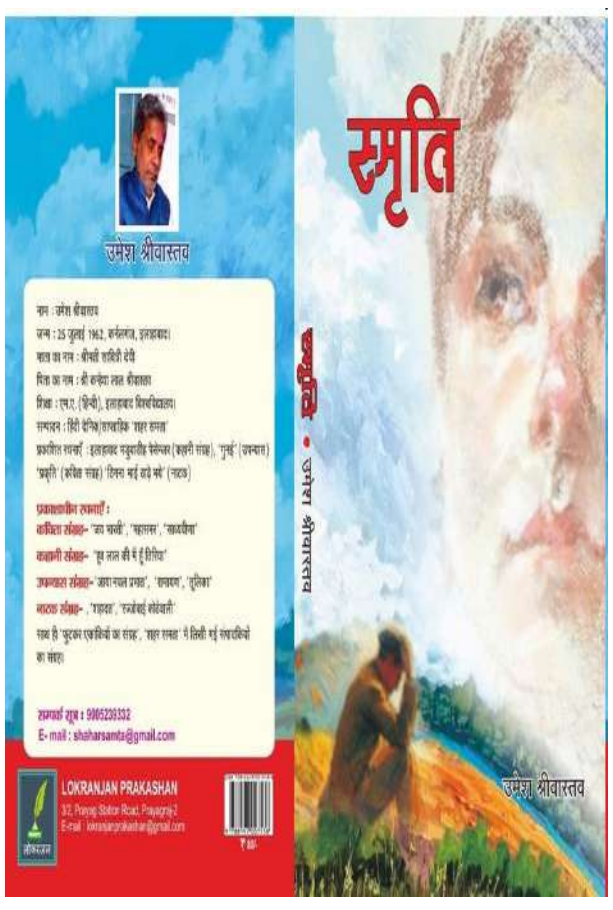

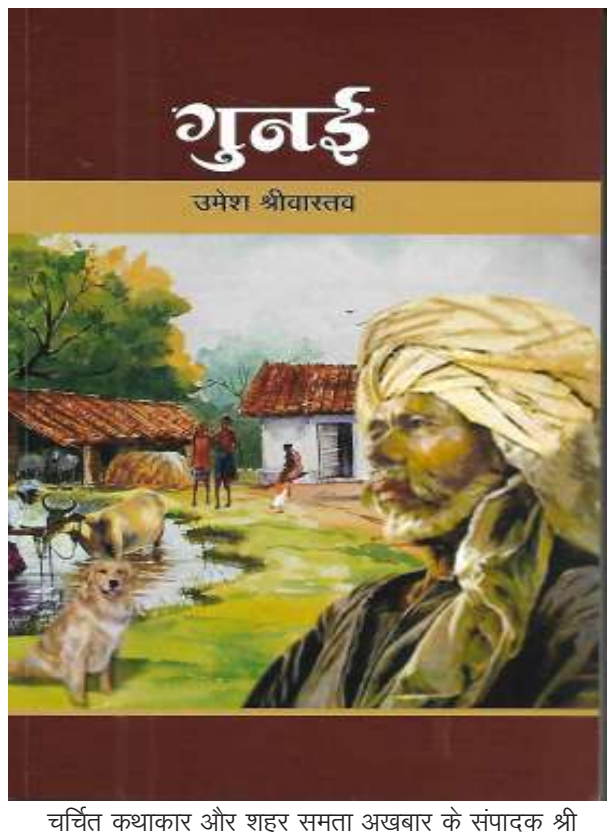

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

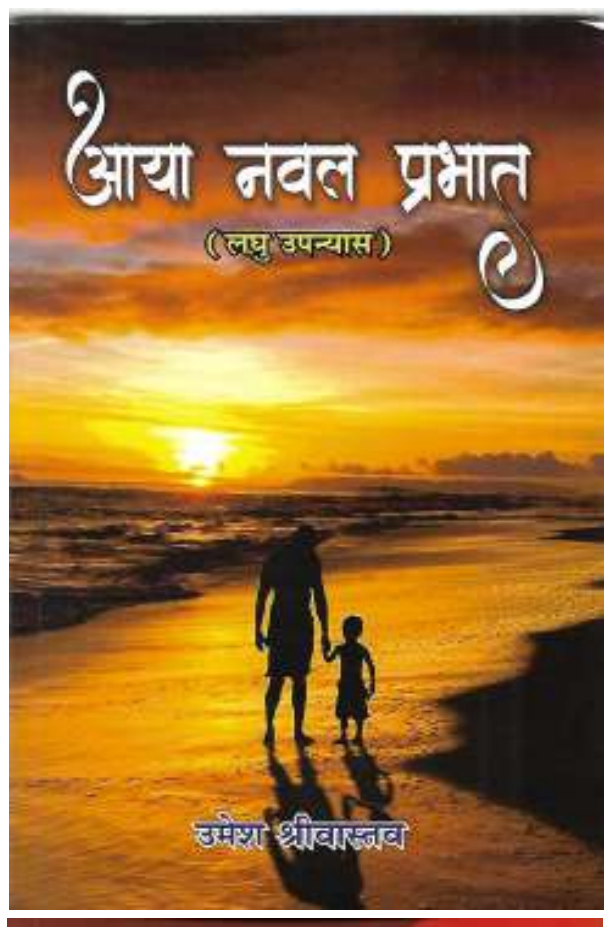

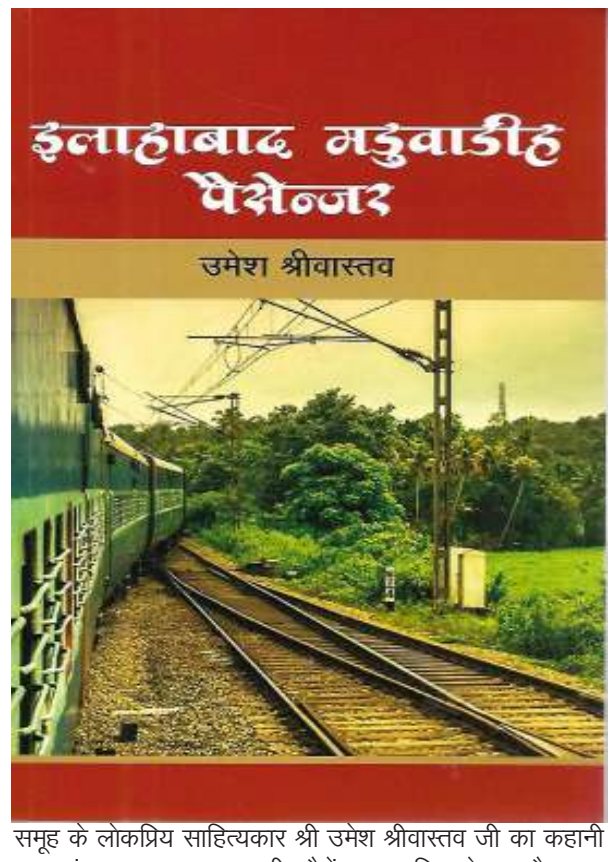

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

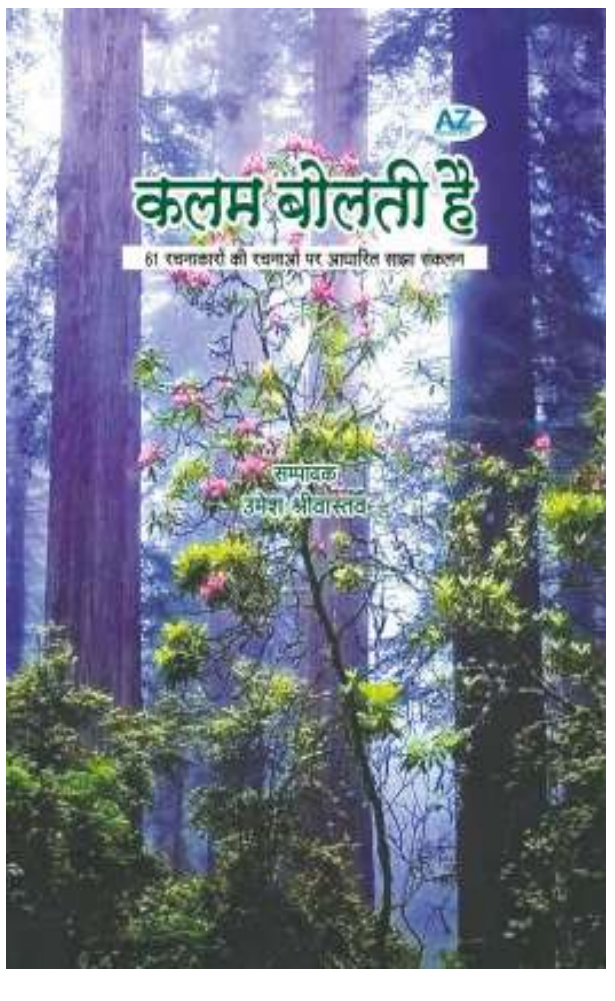

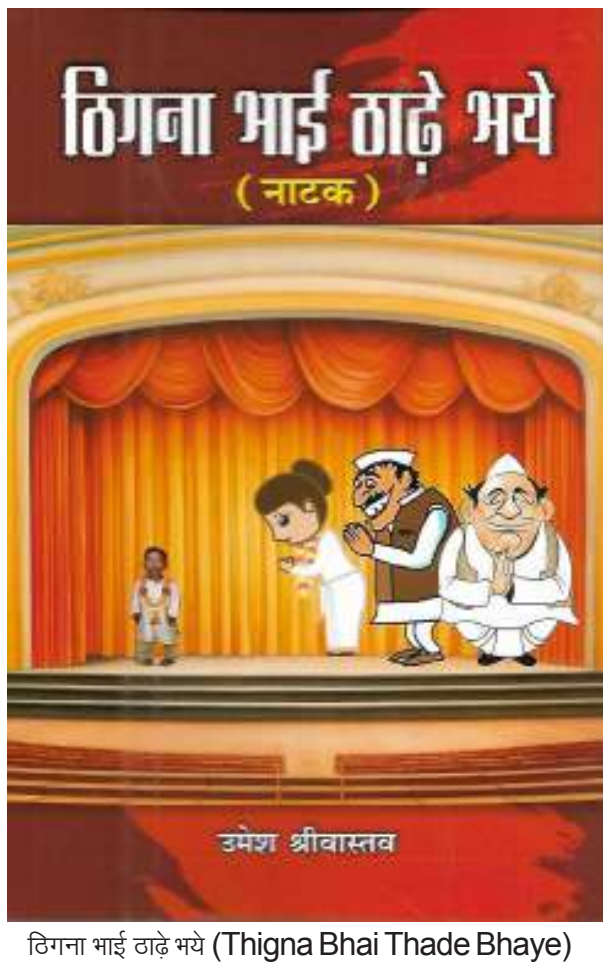

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

बार्डर क्रॉस कर भारत में घुस आए बांग्लादेशी, BSF जवानों पर लाठी-डंडों से कर दिया अटैक, हथियार छीनने की कोशिश

अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों का एक समूह बुधवार तड़के पश्चिम बंगाल में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों के साथ भिड़ गया। उन्होंने डकैती और तस्करी का प्रयास किया था। इसके बाद हुई हिंसक झड़प में कम से कम एक अवैध प्रवासी और एक बीएसएफ जवान घायल हो गए। यह घटना उत्तरी बंगाल के दक्षिण दिनाजपुर

जिले में हुई जहां अवैध प्रवासी चोरी–छिपे भारत में घुस आए। घुसपैठ से सतर्क होकर, बीएसएफ जवानों ने अवैध प्रवासियों का सामना किया, जो छुरी, लाठियों और तार कटर से लैस थे। बार–बार चेतावनी के बावजूद अवैध प्रवासियों ने पीछे हटने के बजाय बीएसएफ टीम पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। बीएसएफ जवानों ने उन्हें रोकने के लिए गैर–घातक हथियारों का इस्तेमाल किया। हमले से बेपरवाह अवैध अप्रवासी जवानों को घेरने में कामयाब रहे। हाथापाई शुरू होने पर बीएसएफ का एक जवान घायल हो गया क्योंकि बांग्लादेशी नागरिकों ने उसकी बंदूक छीनने की कोशिश की। स्थिति को नियंत्रण से बाहर होता देख बीएसएफ जवानों ने आत्मरक्षा में गोलीबारी की, जिससे हमलावर भागने पर मजबूर हो गए। घने कोहरे के कारण दृश्यता कम होने के कारण बांग्लादेशी बदमाश भागने में सफल रहे। हालांकि, सर्च ऑपरेशन के दौरान एक घायल बांग्लादेशी प्रवासी मिला। बीएसएफ ने तुरंत उसे इलाज के लिए गंगारामपुर अस्पताल पहुंचाया। बीएसएफ ने इसके अलावा छुरी, लाठियां और एक तार कटर भी बरामद किया। अधिकारियों के मुताबिक, घायल बीएसएफ जवान को भी चिकित्सा सहायता मिल गई है और वह खतरे से बाहर है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने देश को आर्थिक विकास की दिशा में ले जाने की प्रतिबद्धता जताई

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने महंगाई में और कमी आने का हवाला देते हुए देश को आर्थिक विकास की ओर ले जाने की प्रतिबद्धता दोहराई। कैबिनेट की बैठक की अध्यक्षता करते हुए शरीफ ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि सभी आर्थिक लक्ष्य हासिल कर लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि वार्षिक महंगाई में गिरावट का रुख बना हुआ है, जो जनवरी में 2.4 प्रतिशत पर नौ साल के निचले स्तर पर पहुंच गई, जिसका मुख्य कारण जल्दी खराब होने वाले खाद्य उत्पादों की कीमतों में गिरावट है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''अब हम आर्थिक वृद्धि की ओर बढ़ने के लिए पूरी तरह प्रयास कर रहे हैं। यह मुख्य चुनौती है। हमारी सारी ऊर्जा आर्थिक वृद्धि पर केंद्रित होगी। अन्य लक्ष्यों की तरह हम इसे भी हासिल करेंगे।'' उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा लगाई गई सख्त शर्तों के बारे में भी बात की, जिसने पिछले साल पाकिस्तान को सात अरब अमेरिकी डॉलर का ऋण दिया था। शरीफ ने कहा कि इन शर्तों में कृषि कर लगाना भी शामिल था, जिसे अब पूरा कर दिया गया है और सिंध और बलूचिस्तान प्रांतों ने इसे मंजूरी दे दी है। शरीफ ने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मंत्रालय को रमजान पैकेज लाने का निर्देश दिया गया है, ताकि पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके और मुस्लिम पाक महीने के दौरान जनता को रियायती दरों पर गुणवत्तापूर्ण वस्तुएं उपलब्ध कराई जा सकें।

फलस्तीन बनने तक इस्राइल से नहीं रखेंगे कोई संबंध, सऊदी अरब ने ट्रंप को दिया झटका

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब ने डोनाल्ड ट्रंप और इस्राइल को झटका देते हुए कहा है कि जब तक फलस्तीन देश नहीं बन जाता है, तब तक इस्राइल के साथ कोई कूटनीतिक संबंध नहीं बनाएंगे। सऊदी अरब ने कहा कि वे फलस्तीन की अलग देश के रूप में मांग से पीछे नहीं हटेंगे। सऊदी अरब का यह बयान ऐसे वक्त सामने आया है, जब मंगलवार को ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वे चाहते हैं कि अमेरिका, गाजा पर नियंत्रण रखे और गाजा से विस्थापित लोगों को गाजा के बाहर बसाया जाए। सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान जारी किया। सोशल मीडिया पर साझा इस बयान में कहा गया है कि सऊदी अरब का विदेश मंत्रालय यह स्पष्ट करता है कि फलस्तीन देश बनाने को लेकर हमारा विचार दृढ़ है और ये बदलने वाला नहीं है। युवराज और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान ने 18 सितंबर 2024 को शूरा काउंसिल के पहले सत्र में भी स्पष्ट और दृढ़ तौर पर फलस्तीन को अलग देश बनाने का समर्थन किया था। युवराज ने जोर देकर कहा था कि वह फलस्तीन को अलग देश बनाने का समर्थन जारी रखेगा और पूर्वी यरूशलम उसकी राजधानी होनी चाहिए, जब तक ये नहीं होता है, तब तक इस्राइल के साथ कोई कूटनीतिक संबंध स्थापित नहीं किए जाएंगे।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

अमृतसर में लैंड हुआ यूएस आर्मी का प्लेन, वतन लौटे अमेरिका से निकाले गए भारतीय

पंजाब से 30 जबकि हरियाणा और गुजरात के सबसे अधिक निवासी

अमेरिका से निकाले गए अवैध प्रवासी भारत लौट आए हैं। अमेरिकी सेना विमान अमृतसर में लैड हुआ। 104 प्रवासियों को लेकर ये प्लेन अमेरिका से आया है। कथित तौर पर अवैध रूप से अमेरिका चले गए भारतीय नागरिकों में से एक के परिवार के सदस्य ने कहा कि मुझे कुछ नहीं बताया गया। मेरे परिवार में मेरे बेटे, बहू और मेरे पोते के अलावा कोई नहीं है... उन्होंने मुझसे कभी फोन पर बात नहीं की... ये सभी लोग कह रहे हैं कि वे वापस लौट आएंगे लेकिन मुझे कुछ नहीं पता। कथित तौर पर अवैध रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रवास करने वाले भारतीय नागरिकों को लेकर

अमेरिकी वायु सेना का विमान आज पंजाब के अमृतसर में उतरा है। सूत्रों ने बताया कि निर्वासित लोगों में से 30 पंजाब से, 33–33 हरियाणा और गुजरात से, तीन–तीन महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश से तथा दो चंडीगढ़ से हैं। निर्वासित लोगों की संख्या के बारे में आधिकारिक पुष्टि की प्रतीक्षा है। इससे पहले की खबरों में दावा किया गया था कि 205 अवैध प्रवासियों को लेकर अमेरिका का सैन्य विमान सी–17 रवाना हुआ है। यह अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे भारतीय प्रवासियों की पहली खेप है जिन्हें अमेरिकी सरकार ने निर्वासित किया है। पिछले महीने डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में पदभार संभालने के बाद देश की कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी। इससे पहले अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता ने कहा था कि हालांकि विशिष्ट विवरण साझा नहीं किया जा सकता है, लेकिन संयुक्त राज्य अमेरिका अपनी सीमा और आव्रजन कानूनों को सख्ती से लागू कर रहा है। प्रवक्ता ने इस बात पर जोर दिया कि की गई कार्रवाइयां स्पष्ट संदेश देती हैं कि अवैध प्रवासन जोखिम के लायक नहीं है। मुझे भारत के लिए निर्वासन उड़ान की रिपोर्ट पर कई पूछताछ प्राप्त हुई हैं। मैं उन पूछताछों पर कोई विवरण साझा नहीं कर सकता, लेकिन मैं रिकॉर्ड पर साझा कर सकता हूं कि संयुक्त राज्य अमेरिका अपनी सीमा को सख्ती से लागू कर रहा है, आव्रजन कानूनों को कड़ा कर रहा है और अवैध प्रवासियों को हटा रहा है। अमेरिकी दूतावास के एक प्रवक्ता ने कहा, ये कार्रवाइयां एक स्पष्ट संदेश भेजती हैं: अवैध प्रवासन जोखिम के लायक नहीं है।

चुपचाप ट्रंप ने इस अंदाज में सरकाई कुर्सी, 17 लाख मुस्लिमों से छिन जाएगी जमीन ?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के लिए चुपचाप कुर्सी आगे सरकाई और बड़ा खेल हो गया। कुर्सी आगे सरकाने के बाद डोनाल्ड ट्रंप जो करने वाले थे उसका अंदाजा किसी को भी नहीं था। दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को व्हाइट हाउस बुलाया था। नेतन्याहू दुनिया के वो पहले नेता हैं जिन्हें राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप ने पहली बार अमेरिका बुलाया है। लेकिन नेतन्याहू से मिलने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने जो ऐलान किया है उसने 17 लाख मुस्लिमों पर बिजली गिरा दी है। ट्रंप नेतन्याहू के साथ पत्रकारों के सामने आए और ऐलान कर दिया कि अब गाजा पट्टी पर अमेरिका का नियंत्रण होगा। यानी एक तरीके से अमेरिका ने अब ऐलान कर दिया है कि गाजा पर अब उसका कब्जा होगा। ट्रंप ने कहा है कि गाजा में फिलिस्तीनियों का कोई भविष्य नहीं है। उन्हें कहीं और चले

जाना चाहिए। ट्रंप का ऐलान सुनते ही वहां बैठे पत्रकार भौचक्के रह गए। किसी ने उनसे पूछा कि आप ये कैसे कर सकते हैं? किसी ने कहा कि गाजा तो फिलिस्तीनियों का घर था, फिर मुस्कुराते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि गाजा पर फिलहाल तो अमेरिका का अधिकार होगा। ट्रंप के इस ऐलान के बाद लाखों फिलिस्तीनि जो गाजा में वापस जाने की इंतजार में बैठे थे, उनके पैरों के नीचे से जमीन खिसक गई। ट्रंप ने कहा कि हम इस जगह पर अधिकार जमाएंगे और इस जगह पर मौजूद सभी खतरनाक बमों और दूसरे हथियारों को नष्ट करने और नष्ट हो चुकी इमारतों को हटाने की जिम्मेदारी हमारी होगी। उन्होंने कहा कि एक ऐसा आर्थिक विकास करेंगे जो क्षेत्र के लोगों के लिए रोजगार के ढेरों अवसर पैदा करेगा और आवास उपलब्ध कराएगा। कुछ अलग किया जाएगा। ट्रंप के कहा कि फलस्तीनी लोगों के पास कोई विकल्प नहीं है यही कारण है कि वह गाजा वापस जाना चाहते हैं। यह (गाजा पट्टी) अभी एक तबाही स्थल है। हर एक इमारत ढह गई है। वे ढह चुकी कंक्रीट संरचनाओं के नीचे रह रहे हैं जो बेहद खतरनाक है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में रहने के बजाय वे घरों और सुरक्षा के साथ एक सुंदर क्षेत्र में रह सकते हैं। वे शांति और सद्भाव के साथ अपना जीवन जी सकते हैं। गाजा में अमेरिकी सैनिकों को भेजने की संभावना को लेकर पूछे गए सवाल पर ट्रंप ने कहा कि उन्होंने इस क्षेत्र को अमेरिका के अधीन लाने की योजना बनाई, इसीलिए अमेरिका वही करेगा जो जरूरी है तथा उन्होंने कहा कि वह इस क्षेत्र का दौरा करेंगे। हमास ने एक बयान में कहा कि नरसंहार और विस्थापन के अपराध के लिए 'जायोनी' (यहूदियों की सुरक्षा के लिए एक स्वतंत्र यहूदी राज्य की वकालत करने वाले राष्ट्रवादी) को जिम्मेदार ठहराने के बजाय, उन्हें एक तरह से सम्मानित किया जा रहा है और दंडित होने से बचाया जा रहा है। हम ट्रंप के उन बयानों को खारिज करते हैं जिसमें उन्होंने कहा कि गाजा पट्टी के निवासियों के पास वहां से चले जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है और हम उन्हें क्षेत्र में अराजकता और संघर्ष की वजह मानते हैं।

गाजा पर अमेरिका का कब्जा! वाशिंगटन दौरे पर नेतन्याहू ने क्या नया खेल कर दिया?

इजरायल और फिलिस्तीन के बीच का विवाद कब सुलझेगा, कैसे सुलझेगा? इसको लेकर तमाम तरह की चर्चा और विमर्शों के बीच राष्ट्रपति ट्रंप ने बैठे बिठाए एक रास्ता चुन लिया है। जिससे पूरी दुनिया हैरान रह गई है। पूरी दुनिया इस सोच में पड़ गई है कि आखिर ट्रंप ने ये फैसला लिया तो लिया कैसे? इजरायल फिलिस्तीन विवाद के बीच ट्रंप की कोशिशें ट्रंप के पिछले कार्यकाल में साफ नजर आती हैं। लेकिन इस बार ट्रंप ने सीधे सीधे ऐलान कर दिया है कि वो गाजा स्ट्रिप को टेकओवर कर लेंगे। उनका ये बयान ये बताने के लिए काफी है कि ट्रंप

इस बार इजरायल और फिलिस्तीन जंग को लेकर फुट एक्टिव मोड में हैं। गाजा स्ट्रिप को लेकर उनका ये ऐलान सभी को हैरान कर रहा है। किसी ने सोचा भी नहीं था कि जब इजरायल के प्रधानमंत्री अमेरिका जाएंगे तो इतनी बड़ी घोषणा दोनों नेता एक साथ मिलकर करेंगे। व्हाइट हाउस में इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात का मौका था। मुलाकात तक तो सब ठीक था और लगा कि दोनों देश युद्ध की स्थिति और परिस्थितियों को लेकर बात करेंगे। हमास से कैसे निपटा जाए इसको लेकर चर्चा करेंगे। लेकिन यहां तो सबकुछ उल्टा हो गया। ऐलान गाजा पट्टी को लेकर हो गया। कहा गया कि गाजा पट्टी को अमेरिका टेक ओवर करेगा और इसका स्वामित्व भी अपने पास रखेगा। यानी ओनरशिप की बात डोनाल्ड ट्रंप अपने बयान में कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने बयान में कहा कि वो चाहते हैं कि अमेरिका गाजा पट्टी का स्वामित्व ले और इसका विकास करे। उन्होंने कहा कि अमेरिका देश युद्धग्रस्त फिलिस्तीनी क्षेत्र गाजा पट्टी पर कब्जा करेगा और इसका विकास करेगा। साथ ही इसका मालिकाना हक अपने पास रखेगा। ट्रंप ने कहा कि हम इस जगह पर अधिकार जमाएंगे और इस जगह पर मौजूद सभी खतरनाक बमों और दूसरे हथियारों को नष्ट करने और नष्ट हो चुकी इमारतों को हटाने की जिम्मेदारी हमारी होगी। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि रिपब्लिकन नेता का विचार कुछ ऐसा है जो इतिहास बदल सकता है और कहा कि ट्रम्प गाजा के लिए एक अलग भविष्य की कल्पना करते हैं। इस घोषणा से दुनिया भर में सदमा लगने और मध्य पूर्व में भूराजनीतिक गतिशीलता पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। इज़राइल और फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास अक्टूबर 2023 से हालिया युद्धविराम तक गाजा में खूनी युद्ध में लगे हुए थे। इज़रायली बमबारी ने पट्टी की लगभग सभी संरचनाओं को नष्ट कर दिया है, जिससे यह रहने लायक नहीं रह गया है और सैकड़ों हजारों लोग विस्थापित हो गए हैं। यह क्षेत्र, जो दुनिया में सबसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में से एक है, की कुल आबादी लगभग 2.1 मिलियन है।

पर्वतारोही अकेले नहीं कर पाएंगे माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई, नेपाल ने बदले नियम; रॉयल्टी शुल्क में भी इजाफा

काठमांडू, एजेंसी। अब माउंट एवरेस्ट पर पर्वतारोही अकेले चढ़ाई नहीं कर पाएंगे। नेपाल ने पर्वतारोहण नियम में छठवां संशोधन किया है। इसके तहत माउंट एवरेस्ट सहित आठ हजार मीटर से अधिक ऊंचे सभी पहाड़ों पर अकेले चढ़ने पर प्रतिबंध लगा दिया गया। नए नियम के मुताबिक पर्वतारोहण दल के प्रत्येक दो सदस्यों के साथ कम से कम एक ऊंचाई कार्यकर्ता या पर्वतारोहण गाइड होना जरूरी होगा। नेपाल ने अधिसूचना में कहा कि आठ हजार मीटर से अधिक ऊंचाई वाले पर्वत शिखर पर चढ़ते समय पर्वतारोहण दल के प्रत्येक दो सदस्यों के साथ कम से कम एक ऊंचाई कार्यकर्ता या गाइड अवश्य होना चाहिए।

जबकि अन्य पर्वतों पर चढ़ते समय पर्वतारोहण दल को अपने साथ कम से कम एक गाइड होगा अनिवार्य होगा। नया नियम लागू होने के बाद चोटियों पर अकेले चढ़ने पर लगाम लगेगी। सरकार का कहना है कि किसी भी व्यक्ति को उसके अनुभव की परवाह किए बिना अकेले पहाड़ पर चढ़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यह नियम अब अल्पाइन और अभियान शैली के पर्वतारोहियों पर भी लागू होगा।

विदेशी पर्वतारोहियों के रॉयल्टी शुल्क में इजाफा

सरकार ने वसंत ऋतु में दक्षिण मार्ग से माउंट एवरेस्ट की चोटी पर चढ़ने का प्रयास करने वाले विदेशी पर्वतारोहियों के लिए रॉयल्टी शुल्क को बढ़ाकर 15000 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति कर दिया है। मार्च से मई के बीच हिमालयी राष्ट्र में पर्वतारोहियों की बड़ी आमद होती है। पहले इसकी फीस 11,000 अमेरिकी डॉलर हुआ करती थी। वहीं सितंबर से नवंबर तक चलने वाले शरद ऋतु के लिए पर्वतारोहण रॉयल्टी को भी 5,500 अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 7,500 अमेरिकी डॉलर कर दिया गया है। इसके अलावा दिसंबर से फरवरी तक चलने वाले शीतकालीन अभियान और जून से अगस्त तक चलने वाले मानसून अभियान की फीस भी मौजूदा 2,750 अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 3,750 अमेरिकी डॉलर कर दी गई है।

आठ हजार पर्वतारोहियों के शुल्क में भी संशोधन

सरकार ने आठ हजार पर्वतारोहियों के शुल्क में भी संशोधन किया है। इसमें वसंत अभियान की रॉयल्टी 1800 अमेरिकी डॉलर से लगभग दो गुना बढ़कर 3000 अमेरिकी डॉलर, शरद ऋतु का शुल्क 900 अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 1500 अमेरिकी डॉलर और सर्दियों व मानसून अभियान के लिए रॉयल्टी को 450 अमेरिकी डॉलर से 750 अमेरिकी डॉलर कर दिया गया है। जबकि नेपाली पर्वतारोहियों के लिए वसंत ऋतु में सामान्य मार्ग की रॉयल्टी 75,000 रुपये से 1.5 लाख रुपये हो गई है।

बेस कैंप में नहीं जा सकेंगे परिवार के सदस्य

नेपाल ने पर्वतारोहियों के परिवार के सदस्यों, गाइडों और उच्च ऊंचाई वाले बेस कैंप के कर्मचारियों को भी बेस कैंप में जाने से प्रतिबंधित कर दिया है। नए नियम के अनुसार पर्यटन विभाग से पहले अनुमोदन ले चुके परिवार के सदस्यों को बेस कैंप में दो दिनों से अधिक समय तक रहने की छूट दी जा सकती है।

अधिकारियों के वेतन–भत्ते भी बढ़े

नेपाल सरकार ने पर्वतारोहियों के अलावा संपर्क अधिकारियों के दैनिक भत्ते, उच्च ऊंचाई वाले गाइडों और पर्वतारोहियों द्वारा भुगतान किए जाने वाले बेस कैंप कर्मचारियों के दैनिक वेतन में वृद्धि की है। संपर्क अधिकारियों का दैनिक वेतन 500 रुपये से बढ़कर 1600 रुपये हो गया है। सरदारों को अब 500 रुपये से बढ़ाकर 1,500 रुपये प्रतिदिन मिलेंगे। वहीं उच्च ऊंचाई वाले गाइडों का वेतन 350 रुपये से बढ़कर 1200 रुपये प्रतिदिन हो गया है। बेस कैंप कर्मचारियों का दैनिक वेतन 300 रुपये से बढ़कर 1000 रुपये हो गया है।

प्रदूषण रोकने का प्रयास

पहाड़ों में प्रदूषण को रोकने के लिए भी सरकार ने प्रयास किए हैं। वसंत से पर्वतारोहियों को अनिवार्य रूप से अपने अपशिष्ट को निपटान के लिए बेस कैंप में वापस लाना होगा। पर्वतारोहियों को ऊपरी इलाकों में अपशिष्ट संग्रह के लिए बायोडिग्रेडेबल बैग ले जाने की आवश्यकता होती है। नये प्रावधान एक सितम्बर से लागू होंगे। वसंत ऋतु में अभियान शुरू हो जाएगा।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।